mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-188 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
09 जुलाई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

नॉटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर खत्म

खतरनाक लोगों को निशाना बनाया; अमेरिका ने ईरान के 80 ठिकानों पर हमले किए

तेहरान ,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ हुआ समझौता (MoU) अब खत्म हो चुका है। उन्होंने यह बयान तुर्किये के अंकारा में NATO शिखर सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिया।

ट्रम्प ने कहा, 'हमने बीती रात बेहद ताकतवर हमला किया। हमने ईरान के बेहद खतरनाक लोगों को निशाना बनाया।' उन्होंने ईरानी लीडरशिप पर कहा, 'वे बीमार हैं, उनमें कुछ गड़बड़ है।'

इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बताया था कि उसने ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए। कार्रवाई में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की 60 से ज्यादा सैन्य नौकाओं को निशाना बनाया गया।

गैंगस्टर लॉरेंस पर अमेरिका में हत्या का केस, चार्जशीट दायर

गोल्डी बराड़ पर 50 हजार डॉलर इनाम; दावा- दोनों ने कनाडा में निज्जर की हत्या कराई

जालंधर,एजेंसी। भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस और जग्गू भगवानपुरिया के खिलाफ अमेरिका में हत्या समेत कई आरोपों में केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक अमेरिका अब भारत से इन दोनों के प्रत्यर्पण की मांग करेगा।

अमेरिकी अधिकारियों ने यह बात अमेरिका, कनाडा और यूरोप में भारत से जुड़े इंटरनेशनल क्राइम नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई के बाद कही। अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने कनाडा की एजेंसियों के साथ मिलकर 7 देशों में ऑपरेशन हार्ड बॉल चलाया और 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद 37 लोगों के खिलाफ अमेरिकी फेडरल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई।

चार्जशीट में लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा समेत अन्य आरोपियों पर 2023 में कनाडा में हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। आरोप सही साबित हुए तो इन्हें 10 साल से अधिक जेल हो सकती है।

मुंबई एयरपोर्ट में रनवे पर आमने-सामने आए प्लेन

एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद खड़ा था, एअर इंडिया प्लेन ने टेक-ऑफ रन शुरू

मुंबई,एजेंसी। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार रात को हादसा टल गया। एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए। घटना रात 10 बजे की बताई गई है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, एअर इंडिया के विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के निर्देश पर टेक-ऑफ रन रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद रनवे से हटा नहीं था, तभी दिल्ली जाने वाला एयर इंडिया का विमान उसी रनवे से उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि सिलिगुड़ी से आई एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रनवे खाली कर ही रही थी। जबकि दिल्ली जाने वाली फ्लाइट

AI816 के क्रू ने ATC के निर्देश मिलते ही टेकऑफ रन तुरंत रोक दिया और विमान को वापस पार्किंग एरिया में ले जाया गया।

एयरलाइन के मुताबिक, विमान की स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर के तहत जांच की जाएगी। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे

» बोले- हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला; हजार साल पुराना मंदिर, दीवारों पर रामायण की कहानी

जकार्ता,एजेंसी। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए।

उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का आज तीसरा और आखिरी दिन है। पीएम आज शाम इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न रवाना होंगे। उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा 8 से 10 जुलाई तक है।

प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना, दीवारों पर रामायण लिखी... इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर योग्याकार्ता के पास स्थित प्रम्बानन मंदिर दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। पहले स्थान पर कंबोडिया का अंगकोर वाट है। प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना है।

सूरत में बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा, 36 घंटे में 18 इंच बारिश

जबलपुर में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, दिल्ली-जयपुर हाईवे धंसा

भोपाल/जयपुर/पटना/अहमदाबाद/मुंबई,एजेंसी। गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 18 इंच बारिश हुई। इसके साथ ही जुलाई 1941 में दर्ज हुई 18 इंच बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। शहर में बाढ़ आ गई, शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई और कारें सड़कों पर बहती नजर आईं। शहर का कोई इलाका नहीं बचा, जहां पानी न भरा हो।

सूरत में करंट लगने, पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की जान चली गई। बाढ़ में फंसे 3400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सूरत और नजदीकी इलाके नवसारी में स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी बंद हैं। लोगों से कहा गया है कि बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

जबलपुर में 5 मंजिला इमारत गिरी, चित्तौड़गढ़ में बिजली गिरी... मध्य प्रदेश के जबलपुर में मंगलवार शाम को पांच मंजिला इमारत ढह गई। इधर, राजस्थान के जालोर में एक जीप नदी में पलट गई। चित्तौड़गढ़ में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई।

राममंदिर चढ़ावा चोरी-एसआईटी को ट्रस्ट की फर्जी चंदा रसीदें मिलीं

● 3 आरोपियों से पूछताछ जारी ● पुलिस सर्राफा कारोबारी के यहां भी पहुंची

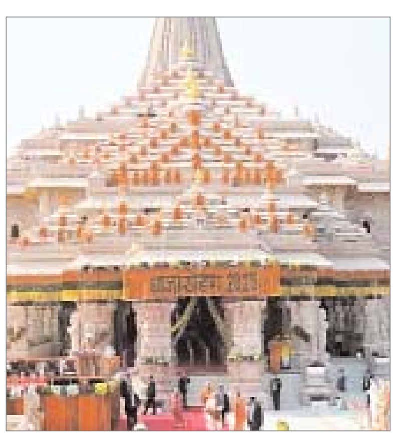

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर ले लिया है। पुलिस टीम बुधवार सुबह 7:36 बजे फैजाबाद जेल पहुंची और तीनों आरोपियों को पुलिस लाइन लेकर गई। SIT रिपोर्ट के अनुसार, तीनों आरोपी CCTV फुटेज में नोटों को जेब में रखते हुए नजर आए थे। इस बीच, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि चंपत राय से मिलने पहुंचे हैं। चंपत राय राम मंदिर के निकट रामकोट स्थित तीर्थ क्षेत्र पुरम में एकांतवास कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने लेटर जारी कर चुप्पी तोड़ी थी। कहा था- मेरे ऊपर लगे सभी आरोप झूठे हैं। इधर, SIT ने अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू कर दी है। SIT 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और 25 नवंबर 2025 के

ध्वजारोहण के बिल और वाउचर खंगाल रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक, प्राण-प्रतिष्ठा पर 113 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसमें 8 हजार मेहमान आए थे। ध्वजारोहण पर 10.12 करोड़ खर्च हुए।

जबकि अयोध्या पुलिस ने मिल्कीपुर क्षेत्र में छापेमारी की। पुलिस ने आरोपी अनुकल्प मिश्रा के चाचा के साथ इनायतनगर के एक सर्राफा कारोबारी और एक बिल्डिंग मटेरियल कारोबारी के यहां भी दबिश दी। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी द्वारा खरीदी गई संपत्ति या सामान के भुगतान का तरीका (पेमेंट मोड) क्या था।

बद्रीनाथ चढ़ावा विवाद: सस्पेंड निजी सचिव पर एफआईआर

» सीएम बोले- यह मां-बाप की हत्या जैसा महापाप; जांच के लिए हाई लेवल कमेटी बनी

चमोली ,एजेंसी। बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में कथित हेरफेर मामले में पहली बड़ी आपराधिक कार्रवाई हुई है। मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की तहरीर पर निलंबित निजी सचिव प्रमोद नौटियाल के खिलाफ बद्रीनाथ थाने में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 306 और 316(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की। जिसे 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बीच, चढ़ावा विवाद उजागर करने वाले काल भैरव सेना के अध्यक्ष संदीप खत्री को बुधवार को पुलिस ने देहरादून स्थित उनके कार्यालय में करीब ढाई घंटे तक नजरबंद रखा। खत्री मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे।

इस दौरान सीएम ने कहा... ये गौहत्या जैसा पाप है। जो लोग ऐसे पवित्र स्थानों पर इस प्रकार का कृत्य करते हैं, उनका अपराध वैसा ही है जैसे कोई अपने मां-बाप की हत्या कर दे। यह महापाप है। यह अक्षम्य अपराध है, इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● पुलिस बोली- राइफल छीनकर भाग रहा था ● तालाब से मिला था नाबालिग का शव

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था।

ग्न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच

मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

लड़की के सिर पर या तो किसी भारी चीज से वार किया गया था या उसे किसी सख्त सतह पर पटका गया था। शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान थे। उसके फेफड़ो और पेट में पानी मिला। आरोपियों ने उसे जिंदा ही तालाब में फेंक दिया था। डूबने और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

आरोपियों ने बच्ची को जिंदा तालाब में फेंका था... पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की, जिसमें चार लोग लड़की को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दिए थे। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में लड़की के सिर और प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान मिले।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

● पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था ● शोपियां में 5 दिन से ऑपरेशन जारी

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया। आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आंतकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है।

जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG), सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (RR) और CRPF ने मिलकर चलाया।

आंतकियों के खिलाफ 5 दिन से ऑपरेशन जारी : आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद शनिवार शाम से चनापोरा इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। ऑपरेशन में सेना की 44 आरआर, 20 आरआर, 34 आरआर, 55 आरआर, 3 पैरा, जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) और CRPF की 14 व 178 बटालियन शामिल हैं।

सेना की खास एंटी टेरेरिज्म यूनिट, 'विक्टर फोर्स' ने बाग के घने पेड़ों के बीच से भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और इलाके में रोशनी का इंतजाम भी किया। सुरक्षाबल पिछले कई दिनों से गांवों और आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अक्टूबर 2025 में NIA कोर्ट ने इनके खिलाफ नोटिस जारी किया था और हाल ही में उनका नाम अप्रैल 2026 के पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में 14 आतंकवादियों की सूची जारी की थी और उनके घर भी गिरा दिए गए थे।

सुरक्षा रिकॉर्ड के मुताबिक, जाकिर 2024 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले साल LeT में शामिल हुआ था।

कुलगाम का रहने वाला था जाकिर... सूत्रों के मुताबिक, जाकिर कुलगाम के मतलहामा का रहने वाला था। वह 2023 से दक्षिण कश्मीर और पीर पंजाल क्षेत्र में सक्रिय था। जाकिर का नाम पाकिस्तान से जुड़े कई आतंकी हमलों से भी जुड़ा था।

भारत से कैलाश पर्वत दर्शन के लिए करना होगा इंतजार

» व्यू पॉइंट पर हर दिन बदलता रहता है मौसम

पिथौरागढ़,एजेंसी। तिब्बत स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के भारत से दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को अभी करीब दो महीने और इंतजार करना होगा। फिलहाल इनर लाइन परमिट (ILP) जारी नहीं किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि सितंबर के आसपास परमिट शुरू होने पर आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले श्रद्धालु 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित ओल्ड लिपुलेख (ओल्ड लिपुपास) जाकर भारत की सीमा से कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। इस वर्ष यात्रा सीजन की शुरुआत में बड़ी

2 माह बाद जारी होंगे परमिट

संख्या में श्रद्धालु ओल्ड लिपुलेख पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। बाद में खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से सेना ने इस क्षेत्र में आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी थी। प्रशासन और सेना के बीच वार्ता के बाद सीमित संख्या में पर्यटकों को अनुमति दी गई, लेकिन फिलहाल ILP बंद होने से सामान्य श्रद्धालु वहां नहीं जा पा रहे हैं। ओल्ड लिपुलेख चीन सीमा पर समुद्र तल से करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह हाई एल्टीट्यूड क्षेत्र है, जहां हर दिन मौसम बदलता रहता है। बादल और घना कोहरा छाने पर कैलाश पर्वत दिखाई नहीं देता। ओल्ड लिपुलेख तक सड़क बन चुकी है, लेकिन अंतिम चोटी तक पहुंचने के लिए करीब 300 मीटर पैदल खड़ी चढ़ाई करनी पड़ती है। कई बार ऑक्सीजन की कमी और कठिन चढ़ाई के कारण वाहन बीच रास्ते में ही रुक जाते हैं, जिससे यात्रियों को करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

सभी श्रद्धालुओं को अनुमति देने की मांग: स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और सेना समन्वय बनाकर सभी पात्र श्रद्धालुओं को ओल्ड लिपुलेख तक जाने की अनुमति दे, ताकि सीमांत क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। पिछले वर्ष आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले यात्रियों के लिए ओल्ड लिपुलेख से कैलाश दर्शन की व्यवस्था शुरू की गई थी। तब करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने इसका लाभ उठाया था।

डीएम आशीष भटगांई ने बताया कि सेना से समन्वय के बाद श्रद्धालुओं को कैलाश दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। फिलहाल इनर लाइन परमिट जारी नहीं हो रहे हैं। परमिट शुरू होने के बाद आदि कैलाश और ओम पर्वत आने वाले श्रद्धालु ओल्ड लिपुलेख से कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे।

पारंपरिक कैलाश-मानसरोवर यात्रा में श्रद्धालुओं को तिब्बत जाकर कैलाश पर्वत की परिक्रमा और मानसरोवर झील के दर्शन करने पड़ते हैं। इसके लिए पासपोर्ट, वीजा और लंबी तथा महंगी यात्रा की जरूरत होती है। हालांकि, ओल्ड लिपुलेख से केवल कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं और श्रद्धालु मानसरोवर झील तक नहीं पहुंचते।

इसलिए अहम है यह व्यू पॉइंट... ओल्ड लिपुलेख का यह व्यू पॉइंट इसलिए खास माना जा रहा है, क्योंकि यहां से श्रद्धालु भारत की सीमा के भीतर रहकर ही तिब्बत स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है और जैन, बौद्ध तथा बोन धर्म में भी इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का नया '3ई' अभियान शुरू, अब चालान के साथ पढ़ाया जाएगा सड़क सुरक्षा का पाठ

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में सड़क हादसों को कम करने और यातायात अनुशासन मजबूत करने के उद्देश्य से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 3ई यानी एजुकेशन (शिक्षा), एनफोर्समेंट (प्रवर्तन) और एनकरेजमेंट (प्रोत्साहन) पर आधारित एक महीने का ''''जन जागृति अभियान'''' शुरू किया है। अभियान के तहत लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जिम्मेदार नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है ताकि सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन का रूप दिया जा सके। पूरे महीने राजधानी के प्रमुख चौराहों, स्कूलों, कालेजों, बाजारों, कारपोरेट कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गंभीर उल्लंघनों के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान

दूसरे चरण एनफोर्समेंट के तहत खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने, रेड लाइट जंप करने, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने, मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाएंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोड सेफ्टी चैंपियन होंगे सम्मानित

तीसरे चरण एनकरेजमेंट के अंतर्गत नियमों का लगातार पालन करने वाले वाहन चालकों, साइकिल चालकों, यात्रियों और अन्य जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ताओं को रोड सेफ्टी चैंपियन के रूप में सम्मानित किया जाएगा। पुलिस का मानना है कि सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने से अन्य लोग भी नियमों के पालन के लिए प्रेरित होंगे।

ट्रैफिक पाठशालाओं को किया जाएगा सक्रिय

अभियान के पहले चरण ''''एजुकेशन'''' के तहत प्रमुख चौराहों पर संचालित ''''ट्रैफिक पाठशालाओं'''' को विशेष रूप से सक्रिय किया जाएगा। यहां ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को केवल दंडित करने के बजाय कुछ समय रोककर सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग से जुड़े इंटरैक्टिव सत्रों में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्कों में बच्चों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे, ताकि कम उम्र से ही सुरक्षित यातायात की आदत विकसित हो सके।

खत्म हुआ सन्नाटा, गूंजेंगी मिलों की मशीनें 10 जुलाई तक खुल जाएंगी बंगाल की सभी बंद जूट मिलें

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में बंद पड़ी सभी जूट मिलों को 10 जुलाई तक फिर से चालू करने का निर्णय लिया गया है। मंगलवार को कोलकाता के न्यू सेक्रेटेरियट बिल्डिंग में श्रम मंत्री अर्जुन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जूट मिल प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग दौर की वार्ता के बाद यह फैसला लिया गया। बैठक में श्रम राज्यमंत्री भास्कर भट्टाचार्य, विशेष श्रम आयुक्त आशीष सरकार तथा श्रम विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में हुगली, हावड़ा, उत्तर 24 परगना और पूर्व बर्द्धमान जिलों की इंडिया जूट, हेस्टिंग्स, गोंदोलपाड़ा, एम्पायर, लूमटेक्स, शक्तिगढ़ और हावड़ा जूट मिलों के प्रबंधन एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में तय किया गया कि संबंधित जूट मिल प्रबंधन 10 जुलाई तक सस्पेंशन आफ वर्क वापस लेने की अधिसूचना जारी करेगा। इसके बाद सबसे पहले अनुरक्षण का कार्य शुरू होगा और 16 जुलाई से चरणबद्ध तरीके से उत्पादन आरंभ किया जाएगा।

हिमाचल सरकार 3.41 लाख युवाओं को लौटाएगी रद हुई भर्तियों का आवेदन शुल्क

हमीरपुर, एजेंसी। पूर्व हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग से वर्ष 2022 में विभिन्न विभागों के पदों के लिए आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों को लंबे इंतजार के बाद राहत मिली है। राज्य सरकार ने रद हो चुकी 80 पोस्ट कोड की भर्तियों के लिए जमा करवाया गया आवेदन शुल्क वापस करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 3,41,742 अभ्यर्थियों को लगभग 4.27 करोड़ रुपये लौटाए जाएंगे। इस फैसले को राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी भी मिल चुकी है। वर्ष 2022 में तत्कालीन हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग, हमीरपुर ने 80 पोस्ट कोड के तहत विभिन्न सरकारी विभागों में 1,423 पदों को भरने के लिए विज्ञापन जारी किए थे। इनमें जेओए (आईटी), ऑडिट, फार्मासिस्ट, फायरमैन, सब इंस्पेक्टर, तकनीकी शिक्षा सहित कई अन्य विभागों के पद शामिल थे। इन भर्तियों के लिए प्रदेशभर से 3.41 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया और निर्धारित आवेदन शुल्क भी जमा कराया। इसी दौरान भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद कर्मचारी चयन आयोग को भंग कर दिया गया। इसके बाद भर्ती व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए गए और आयोग के माध्यम से जारी सभी 80 पोस्ट कोड की भर्ती प्रक्रियाएं रद् कर दी गई।

आयोग भंग होने से फंसा रह गया आवेदन शुल्क का पैसा: भर्ती रद होने के बाद हजारों पद रिक्त रह गए और लाखों अभ्यर्थियों का आवेदन शुल्क भी आयोग के पास जमा रह गया। अब राज्य सरकार ने इन सभी अभ्यर्थियों को उनका आवेदन शुल्क वापस करने का फैसला लिया है। इसके लिए करीब 4.27 करोड़ रुपये लौटाए जाएंगे।

अब नए सिरे से होंगी भर्तियां: वहीं, जिन पदों की भर्ती रद्द हुई थी, उन्हें भविष्य में हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग के माध्यम से दोबारा भरा जाएगा। हालांकि नई भर्ती प्रक्रिया कब शुरू होगी, इसे लेकर सरकार ने अभी कोई समय सीमा घोषित नहीं की है।

जंगल के बीच बस में गूंजी किलकारी: यात्रियों ने कराया सुरक्षित प्रसव, इलाज के लिए जुटाए नौ हजार रुपये

कोरबा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा से पटना जा रही एक निजी बस में सोमवार देर रात यात्रियों की सूझबूझ से एक महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। साथ ही इलाज के लिए महिला को नौ हजार भी दिए। करीब 35 यात्रियों को लेकर निकली बस अंबिकापुर पार कर बलरामपुर की ओर बढ़ रही थी। रात करीब साढ़े 11 बजे कोरबा निवासी सुनती देवी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। वह पति के साथ बिहार स्थित ससुराल जा रही थी। यह देख चालक ने बस को सड़क किनारे रोक दिया। यात्री सुनीता बाई व अन्य महिलाओं ने सीमित संसाधनों के बीच गर्भवती का सुरक्षित प्रसव कराया। करीब आधे घंटे की कोशिश के बाद नवजात के रोने की आवाज गूंजते ही बस में मौजूद यात्रियों में खुशी की लहर दौड़ गई। पता चला कि दंपती के पास इलाज व अन्य जरूरी खर्च के लिए पैसे नहीं है। देखते ही देखते नौ हजार रुपये एकत्र हो गए। इसके बाद चालक बस को बलरामपुर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां मां और नवजात को भर्ती कराया गया।

ज्योतिर्लिंग और धार्मिक स्थलों का दर्शन को चलेंगी दो भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

गोरखपुर , एजेंसी। दक्षिण और पश्चिम भारत के ज्योतिर्लिंग का दर्शन एवं स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दिखाने के लिए आईआरसीटीसी गोरखपुर जंक्शन से दो भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाएगा। ये ट्रेनें 31 जुलाई और 17 अगस्त को चलाई जाएंगी। रास्ते में 11 स्टेशनों से चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। ट्रेन से सफर के लिए बुकिंग शुरू कर दी गई है। आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन) के एजीएम वायु नंदन शुक्ला ने बताया कि दोनों ट्रेनों से यात्रा के लिए शुल्क का भुगतान बैंक से ईएमआई के माध्यम से किया जा सकता है।

जोधपुर एम्स के डॉक्टरों का कमाल: सात साल के मासूम के पेट से निकाला 3.7 किलो का कैंसर ट्यूमर

जोधपुर, एजेंसी। एम्स जोधपुर के चिकित्सकों ने एक अत्यंत जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए सात वर्षीय बच्चे के शरीर से 3.7 किलोग्राम वजन का ट्यूमर निकालकर उसे नया जीवन दिया। बच्चा पिछले लगभग चार वर्षों से पेट के दाहिने हिस्से में लगातार बढ़ रही सूजन से परेशान था। एम्स में किए गए सीटी स्कैन में पता चला कि ट्यूमर का आकार लगभग 24 म 21 म 18 सेंटीमीटर हो चुका था। यह पूरी दाहिनी किडनी को नष्ट कर पेट के अधिकांश हिस्से में फैल चुका था। ट्यूमर के कारण लीवर, अग्न्याशय, आंतें और मूत्राशय अपनी सामान्य स्थिति से हट गए थे। सर्जरी के दौरान चिकित्सकों ने दाहिनी किडनी तथा पूरी मूत्रवाहिनी (यूरेटर) को ट्यूमर सहित निकाल दिया। इस उपलब्धि पर डॉ. राहुल सक्सेना ने कहा कि यह हमारे संस्थान में बच्चों पर की गई सबसे चुनौतीपूर्ण सर्जरी में से एक थी। ट्यूमर का आकार अत्यंत बड़ा था और उसने शरीर की सबसे महत्वपूर्ण रक्त वाहिका को प्रभावित कर दिया था। इसकाश्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों को जाता है।

बेंगलुरु में मिला छात्रा का शव, दोस्त को भेजा आखिरी संदेश- अब जिंदगी बहुत हो चुकी है

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु से एक दर्दनाक खबर सामने आ रही है। जहां सैंकी टैंक झील में मंगलवार सुबह एक 20 साल की कॉलेज छात्रा का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को शक है कि लड़की ने सोमवार शाम को झील में कूदकर खुदकुशी की है। कदम उठाने से ठीक पहले उसने अपने एक पुरुष मित्र (बॉयफ्रेंड) को मैसेज भेजकर जान देने की बात कही थी। बता दें कि मृतक छात्रा की पहचान तेजस्विनी उर्फ तेजू के रूप में हुई है। वह चिक्काबनावरा की रहने वाली थी और जालाहल्ली के एक प्राइवेट कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार सोमवार को दोपहर करीब 12:30 बजे वह कॉलेज से निकली, लेकिन घर नहीं गई। शाम करीब 4 बजे वह सैंकी टैंक पार्क पहुंची। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, वह काफी देर तक वहां घूमती रही, एक जगह बैठी और कई बार पानी के पास गई। इसके बाद शाम करीब 6 बजे उसने अपने दोस्त को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा कि अब जिंदगी बहुत जी ली और इसके बाद अपना फोन बंद कर लिया।

परिजनों ने रातभर ढूंढा, सुबह मिला शव: पुलिस के अनुसार मृतक छात्रा के दोस्त ने मैसेज देखते ही उसे लगातार फोन मिलाना शुरू किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ था। घबराकर उसने तुरंत तेजस्विनी की मां पुष्पा को फोन कर पूरी बात बताई। बेटी की जान खतरे में देख मां और परिवार के लोग उसे ढूंढने निकले और सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने परिजनों के साथ मिलकर सोमवार रात 1 बजे तक झील के आस-पास सर्च ऑपरेशन चलाया। रात में सिर्फ मृतक छात्रा का बैग और मोबाइल फोन ही मिल पाया।

इसके बाद, मंगलवार सुबह 18वें क्रॉस एंट्रेंस के पास पानी में उसका शव तैरता हुआ मिला।

माता-पिता के अलग होने से परेशान थी छात्रा

मामले में नया मोड़ तब सामने आया, जब सेंट्रल बेंगलुरु के डीसीपी अक्षय एम. हाके ने बताया कि पुलिस ने 'अस्वाभाविक मौत' का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक तेजस्विनी के माता-पिता के बीच पारिवारिक विवाद था और वे अलग रहते थे। करीब दो हफ्ते पहले उसका अपने दोस्त से भी कोई विवाद हुआ था, जिससे वह काफी परेशान थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

ऐसा क्या हुआ कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के पास खाली कराना पड़ा भारतीय मिशन मौके पर पहुंचे मेयर ममदानी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के पास स्थित भारत के स्थायी मिशन के परिसर को मंगलवार को एहतियातन खाली करा लिया गया। इसकी वजह पास में निर्माणाधीन एक 37 मंजिला इमारत में आए गंभीर संरचनात्मक दोष हैं, जिससे उसके आंशिक रूप से ढहने का खतरा पैदा हो गया है। मिडटाउन मैनहट्टन के इस इलाके में कई इमारतों को भी खाली कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और भारतीय मिशन में तैनात सभी राजनयिक तथा उनके परिवार सुरक्षित हैं।

भारतीय मिशन को तुरंत खाली कराने की नौबत आखिर क्यों आई: भारत का स्थायी मिशन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से महज एक ब्लॉक की दूरी पर स्थित है। इस इमारत में मिशन के कार्यालयों के साथ-साथ भारतीय राजनयिकों और अन्य अधिकारियों के आवास भी हैं।

एहतियात के तौर पर पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। सूत्रों के मुताबिक सभी भारतीय अधिकारी और उनके परिवार सुरक्षित हैं तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

बनाया गया था भारतीय मिशन: न्यूयॉर्क स्थित भारतीय मिशन 27 मंजिला लाल ग्रेनाइट की इमारत में संचालित होता है, जिसका निर्माण वर्ष 1993 में हुआ था। इस भवन का डिजाइन प्रसिद्ध भारतीय वास्तुकार चार्ल्स कोरिया ने तैयार किया था। यह इमारत सेकंड एवेन्यू के पास 43वीं और 44वीं स्ट्रीट के बीच स्थित है।

मेयर ने हालात को 'बेहद गंभीर' क्यों बताया: न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया। उन्होंने कहा कि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है और निर्माण स्थल पर मौजूद सभी मजदूरों का पता लगा लिया गया है। ममदानी के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब 8 बजे (स्थानीय समय) न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट को मैनहट्टन की 42वीं स्ट्रीट पर सेकंड और थर्ड एवेन्यू के बीच स्थित एक सक्रिय निर्माण स्थल पर संरचनात्मक समस्या की सूचना मिली थी। मेयर ममदानी ने कहा कि इमारत अभी भी अस्थिर बनी हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब तक प्रशासन इस क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं कर देता, तब तक यहां आने से बचें।

क्या ह मुख्यालय के आसपास की कई अहम इमारतें भी खतरे में हैं

जिस इमारत में यह समस्या सामने आई है, उसके ठीक सामने भारतीय मिशन स्थित है। आसपास कई देशों के संयुक्त राष्ट्र मिशन, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कार्यालय, बड़े होटल, रेस्तरां, आवासीय इमारतें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान मौजूद हैं।

महासागरों में घुटा ऑक्सीजन का दम: फिर भड़की जंगल की आग

वॉशिंगटन, एजेंसी। करीब 37 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर हुई सबसे बड़ी जैविक त्रासदियों में से एक की कहानी अब नए सिरे से लिखी जा रही है। अमेरिका के अलाबामा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन से पता चला है कि उस दौर में समुद्रों में ऑक्सीजन की कमी पहले शुरू हुई थी, जबकि जंगलों में भीषण आग बाद में बढ़ी। यह निष्कर्ष उस लंबे समय से चली आ रही वैज्ञानिक धारणा को चुनौती देता है, जिसमें माना जाता था कि बड़े पैमाने पर लगी वनाग्नियों ने समुद्री जीवन के विनाश की शुरुआत की थी। अध्ययन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित हुआ है। यह शोध पृथ्वी के लेट डेवोनियन काल से जुड़ा है, जो लगभग 37 करोड़ वर्ष पहले का समय माना जाता है। शोध का सबसे अहम संदेश यह है कि पृथ्वी की अलग-अलग प्रणालियां स्वतंत्र नहीं हैं। महासागर, वातावरण व भूमि लगातार एक-दूसरे को प्रभावित करते रहते हैं। किसी एक हिस्से में शुरू हुआ बदलाव दूसरे हिस्सों में भी गहरे प्रभाव छोड़ सकता है।

आज के जलवायु संकट के लिए भी अहम संकेत: शोधकर्ताओं का मानना है कि यह अध्ययन केवल प्राचीन पृथ्वी के इतिहास तक सीमित नहीं है। वर्तमान समय में भी जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्रों में ऑक्सीजन की कमी और दुनिया के अनेक हिस्सों में भीषण वनाग्नियों की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि पृथ्वी की प्रणालियों में होने वाले बदलाव अक्सर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार भविष्य की पर्यावरणीय चुनौतियों को समझने व उनसे निपटने के लिए पृथ्वी को अलग-अलग हिस्सों में नहीं, बल्कि एक परस्पर जुड़े हुए तंत्र के रूप में देखने की जरूरत होगी।

टेनेसी की चट्टानों ने खोले राज: शोधकर्ताओं ने अमेरिका के टेनेसी राज्य की प्राचीन शेल चट्टानों का सूक्ष्म रासायनिक और जैविक विश्लेषण किया। इन चट्टानों में करोड़ों वर्ष पुराने पर्यावरणीय बदलावों के संकेत सुरक्षित हैं। वैज्ञानिकों ने इनमें मौजूद आणविक निशानों का उच्च-रिजॉल्यूशन अध्ययन किया।

लॉरेंस गैंग के गुर्गे कितने देशों में फैले, अमेरिका-कनाडा में क्या आरोप लगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। कभी पंजाब और उत्तर भारत तक सीमित माना जाने वाला लॉरेंस बिश्नोई गैंग अब कई देशों के लिए भी मुसीबत बन गया है। अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इस गैंग से निपटने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। अमेरिका में दाखिल एक संघीय आरोपपत्र और हाल में अमेरिका, कनाडा तथा यूरोप में हुई कार्रवाई ने ये तो साफ कर दिया है कि यह नेटवर्क अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा।

अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि जेल में बंद रहने के बावजूद बिश्नोई अपने सहयोगियों के जरिए कई देशों में आपराधिक गतिविधियां संचालित कर रहा। जेल में होने के बावजूद वो अपराध की दुनिया में अपना दबदबा बरकरार रखे है। हत्या, रंगदारी, ड्रग तस्करी, मानव तस्करी और हथियारों से जुड़े मामलों में उसके नेटवर्क की भूमिका की जांच की जा रही है। इसी क्रम में कई देशों में समन्वित कार्रवाई के दौरान गैंग से जुड़े 24 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। बिश्नोई के अतीत में जाने से पहले हम ये जान लेते हैं। फिलहाल अमेरिका में उस पर क्या कार्रवाई हुई।

अमेरिकी चार्जशीट में आखिर क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं: एक जुलाई को अमेरिका की संघीय ग्रैंड जूरी ने लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ नौ बिंदुओं वाला आरोपपत्र दाखिल किया। इसमें कहा गया है कि पंजाब का रहने वाला 33 वर्षीय लॉरेंस बिश्नोई लंबे समय से भारत की जेल में बंद होने के बावजूद एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क का संचालन करता रहा।

दस्तावेज के मुताबिक, उसने पहले छात्र राजनीति के जरिए अपनी पहचान बनाई, लेकिन बाद में अपराध की दुनिया में उतर गया। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि उसने सोशल मीडिया, इंटरव्यू और सार्वजनिक बयानों के जरिए खुद की छवि राष्ट्रवादी और धार्मिक विचार रखने वाले व्यक्ति के रूप में बनाई। इसी छवि का इस्तेमाल भारत, अमेरिका, कनाडा और अन्य देशों में नए लोगों को गैंग से जोड़ने के लिए किया गया।

चार्जशीट में दावा किया गया है कि लॉरेंस जेल के भीतर से तस्करी कर लाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट आधारित कॉलिंग सिस्टम यानी वीओआईपी के जरिए अपने साथियों से संपर्क करता था। इन्हीं माध्यमों से हत्या, गोलीबारी, रंगदारी, अपहरण, ड्रग तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के निर्देश दिए जाते थे।

क्या जेल में रहते हुए भी चलता रहा पूरा नेटवर्क: अमेरिकी दस्तावेज का सबसे बड़ा दावा यही है कि जेल में बंद होने के बावजूद लॉरेंस बिश्नोई का नेटवर्क लगातार सक्रिय रहा।

अभियोजकों के अनुसार, गैंग के अलग-अलग देशों में मौजूद सदस्य सीधे लॉरेंस से संपर्क में रहते थे। निर्देश मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर वारदातों को अंजाम दिया जाता था। इसके लिए इंटरनेट कॉलिंग, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप और दूसरे डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता था। चार्जशीट के मुताबिक, गैंग ने केवल अपराध ही नहीं किए, बल्कि सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधियों का प्रचार भी किया। हिंसक घटनाओं के वीडियो, धमकी भरे संदेश और जिम्मेदारी लेने वाले पोस्ट जारी कर लोगों में डर पैदा किया जाता था। अमेरिकी एजेंसियों का आरोप है कि इसका मकसद रंगदारी वसूलने के लिए भय का माहौल बनाना था।

गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा की भूमिका क्यों मानी जा रही अहम: अमेरिकी आरोपपत्र के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई ने अपने संगठन की रोजमर्रा की जिम्मेदारियां कुछ भरोसेमंद सहयोगियों को सौंप रखी थीं।

इनमें सबसे प्रमुख नाम सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा का है। चार्जशीट के अनुसार, गोल्डी बराड़ उत्तर अमेरिका में गैंग की गतिविधियों की निगरानी करता था। जबकि राजस्थान के रहने वाले रोहित गोदारा को यूरोप में नेटवर्क संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। इनके अलावा सुखराज सिंह कंग का भी नाम प्रमुख सहयोगियों में शामिल है। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा कई मामलों में लॉरेंस बिश्नोई की ओर से फैसले लेते थे।

सिंगरौली में स्कॉर्पियो से 720 शीशी प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप जब्त, सीधी के युवक और नाबालिग को पुलिस ने दबोचा

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। जिले की बरगवां थाना पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 720 शीशी प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप बरामद की है इस मामले में पुलिस ने सीधी जिले के निवासी रजनीश विश्वकर्मा और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है जब्त किए गए वाहन और नशीली सिरप की कुल कीमत 12 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है पुलिस मामले की जांच कर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है पुलिस के अनुसार बरगवां थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सीधी जिले से एक स्कॉर्पियो वाहन में बड़ी मात्रा में

प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप सिंगरौली लाई जा रही है सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मझिगवां-आजादपुर मार्ग पर नाकेबंदी कर संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू कर दी कुछ देर बाद बताए गए हुलिए की स्कॉर्पियो वहां पहुंची जिसे पुलिस ने रोककर तलाशी ली तलाशी के दौरान वाहन से 720 शीशी प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप बरामद हुई मौके पर मौजूद दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई जिसमें उन्होंने कथित तौर पर स्वीकार किया कि यह खेप सीधी से सिंगरौली लाकर बेचने की योजना थी।

पुलिस ने आरोपी रजनीश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया जबकि साथ मौजूद नाबालिग को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत अभिरक्षा में लिया गया है नाबालिग को नियमानुसार किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा वहीं

तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। बरगवां थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप की यह खेप किसने भेजी थी, इसका वास्तविक सप्लायर कौन है और सिंगरौली में इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था जांच एजेंसियां इस तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हैं पुलिस अधीक्षक सियाज के. एम. ने कहा कि जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस किसी भी प्रकार की तस्करी या अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं करेगी। एसपी ने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं भी अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री, भंडारण या तस्करी की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस का मानना है कि जनसहयोग से ही नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है और समाज को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

एक और दो रुपये के सिक्के पूरी तरह वैध मुद्रा, लेन-देन में स्वीकार नहीं करने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला प्रशासन ने एक और दो रुपये के सिक्कों को लेकर फैल रही अफवाहों पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी सभी वैध सिक्के पूर्ण रूप से मान्य मुद्रा हैं प्रशासन ने नागरिकों, व्यापारियों और सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे इन सिक्कों को लेन-देन में बिना किसी संकोच के स्वीकार करें जिला दंडाधिकारी रीवा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी वैध सिक्कों को किसी उचित कारण के बिना स्वीकार करने से इंकार करना और इनके संबंध में भ्रामक अफवाह फैलाना जनहित के प्रतिकूल है ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी नागरिकों, व्यापारियों, दुकानदारों, व्यावसायिक संस्थानों, परिवहन संचालकों, सेवा प्रदाताओं और बैंक शाखाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि एक रुपये और दो रुपये के सिक्के देशभर में प्रचलित वैध मुद्रा हैं इन सिक्कों को स्वीकार करने में किसी भी प्रकार की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा अन्य संबंधित विधिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी धारा 223 के अंतर्गत शासकीय आदेश की अवज्ञा करने पर परिस्थितियों और उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर कारावास, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। प्रशासन का कहना है कि समय-समय पर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सिक्कों की वैधता को लेकर गलत जानकारी प्रसारित की जाती है जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है ऐसी अफवाहों पर ध्यान न देते हुए केवल भारतीय रिजर्व बैंक और प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की गई है।

हल्की खरोंच के विवाद में ट्रक चालक का पीछा, जियो पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर दबंगई के आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रतहरा स्थित जानकी फिलिंग पेट्रोलियम (जियो पेट्रोल पंप) के पास एक ट्रक और कार के बीच हुई मामूली खरोंच की घटना ने उस समय गंभीर रूप ले लिया जब पेट्रोल पंप के कर्मचारियों और संचालक के रिश्तेदारों पर ट्रक चालक का कई किलोमीटर तक पीछा करने तथा बीच रास्ते में रोककर दबाव बनाने के आरोप लगे घटना के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रतहरा स्थित जानकी फिलिंग पेट्रोलियम के समीप एक ट्रक और कार के बीच हल्का संपर्क हुआ जिससे कार पर मामूली खरोंच आने की बात सामने आई स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में सामान्यत पुलिस को सूचना देकर कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाती है लेकिन इस घटना में कुछ लोगों ने स्वयं कार्रवाई करने का प्रयास किया। आरोप है कि पेट्रोल पंप के कुछ कर्मचारी तथा संचालक के रिश्तेदार ट्रक का पीछा करते हुए रतहरा से हरिहरपुर तक पहुंच गए प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पीछा करने वालों में कुछ लोग पेट्रोल पंप की वर्दी पहने हुए थे उन्होंने रास्ते में ट्रक को रोकने का प्रयास किया और चालक पर विवाद सुलझाने के नाम पर दबाव बनाया इस दौरान सड़क पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई जिससे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के दौरान ट्रक चालक को कई लोगों ने घेर लिया था जिससे वह भय और दबाव की स्थिति में दिखाई दे रहा था कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का यह भी आरोप है कि जब आसपास मौजूद नागरिकों ने दोनों पक्षों के बीच समझाइश देकर मामला शांत कराने का प्रयास किया तब उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया इससे मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी देखी गई। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि यदि किसी वाहन से दुर्घटना होती है या किसी प्रकार का नुकसान पहुंचता है तो उसके लिए कानून में स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित है ऐसे मामलों में संबंधित पक्ष पुलिस में शिकायत दर्ज कराता है और उसके बाद जांच के आधार पर कार्रवाई होती है उनका कहना है कि किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा कानून को अपने हाथ में लेना उचित नहीं है और इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

सीधी तहसील का चपरासी 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की गोपद बनास तहसील में लोकायुक्त पुलिस रीवा ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय में पदस्थ एक चपरासी को 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया आरोपी की पहचान दामोदर प्रसाद साकेत के रूप में हुई है उस पर नामांतरण और वसीयत (वारिसाना) से संबंधित कार्य कराने के बदले एक बुजुर्ग से रिश्वत मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार ग्राम खजुरी निवासी नागेंद्र तिवारी ने जनवरी 2026 में ग्राम बेदुआ स्थित अपनी जमीन के नामांतरण और वसीयत संबंधी प्रक्रिया के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन किया था शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके कार्य को आगे बढ़ाने के लिए लगातार पैसों की मांग की जा रही थी उन्होंने बताया कि वे दामोदर प्रसाद साकेत को कार्यालय का बाबू समझते थे जबकि बाद में पता चला कि वह भृत्य (चपरासी) के पद पर कार्यरत है। रिश्वत की मांग से परेशान होकर नागेंद्र तिवारी ने रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप की योजना बनाई बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को 3 हजार रुपये दिए पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने तहसील कार्यालय के मुख्य गेट के बाहर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया लोकायुक्त निरीक्षक रमेश बेहरा ने बताया कि नामांतरण और वसीयत से जुड़े कार्य के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत प्राप्त हुई थी जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद ट्रैप कार्रवाई की गई जिसमें आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

वार्ड-22 में जलभराव से घरों में घुसा बारिश का पानी, नालियां और टूटी पुलिया बनीं परेशानी का कारण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लगातार हो रही बारिश ने सीधी नगर पालिका की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है शहर के वार्ड क्रमांक-22 में जाम नालियों और क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण बारिश का पानी कई घरों में घुस गया जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव से घरों में रखा फर्नीचर, कपड़े, राशन और अन्य घरेलू सामान भीगकर खराब हो गया प्रभावित परिवारों का कहना है कि नगर पालिका से कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया मंगलवार रात हुई तेज बारिश के दौरान नालियों से पानी की निकासी नहीं हो सकी जिसके चलते पानी सीधे आसपास के मकानों में भर गया वार्ड निवासी गणेश वर्णबाल और कैलाश सोनी सहित कई परिवारों को पूरी रात पानी निकालने और सामान बचाने में बितानी पड़ी लोगों का कहना है कि हर बारिश में उन्हें इसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बुधवार सुबह नगर पालिका के नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) महमूद हसन मौके पर पहुंचे उनके निर्देश पर कर्मचारियों ने जाम नालियों की सफाई कर जल निकासी की व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल नालियों की सफाई से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है वार्डवासियों के अनुसार क्षेत्र में सड़क पर बनी छोटी पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त है पुलिया टूटने के कारण नालियों का कचरा वहीं जमा हो जाता है जिससे पानी की निकासी बाधित होती है और पूरा इलाका जलभराव की चपेट में आ जाता है लोगों ने बताया कि इस पुलिया की मरम्मत की मांग भी कई बार की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल 9 और 10 जुलाई को सीधी दौरे पर, विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और विभागीय समीक्षा करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल 9 और 10 जुलाई को सीधी जिले के प्रवास पर रहेंगे अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वे जिले में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन, लोकार्पण, हितलाभ वितरण कार्यक्रमों में शामिल होंगे इसके साथ ही अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री 9 जुलाई को सुबह 9 बजे चुरहट सर्किट हाउस पहुंचेंगे सुबह 10:45 बजे वे जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से मुलाकात करेंगे इसके बाद सुबह 11:15 बजे जनपद पंचायत रामपुर नैकिन की ग्राम पंचायत कुआं में पहुंचकर पांच आंगनबाड़ी भवनों का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद सुबह 11:45 बजे नगर पंचायत रामपुर नैकिन के सामुदायिक भवन में आयोजित हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित करेंगे दोपहर 1 बजे हनुमानगढ़ तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण करेंगे इसके बाद दोपहर 1:30 बजे सेमरिया तहसील कार्यालय भवन का शुभारंभ करेंगे। दोपहर 2 बजे उच्च विश्राम गृह सीधी में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मुलाकात का कार्यक्रम निर्धारित है इसके बाद दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे बैठक में जिले के विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की जाएगी।

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में 9 जुलाई को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में 9 जुलाई 2026 को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी बैठक में जिले के विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। अपर कलेक्टर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बैठक का आयोजन 9 जुलाई को अपराह्न 3 बजे जिला पंचायत सीधी के सभाकक्ष में किया जाएगा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे और अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं एवं विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करेंगे। अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे बैठक में उपस्थित होने से पहले अपने विभाग की योजनाओं, प्रगतिरत कार्यों, उपलब्धियों और लंबित प्रकरणों से संबंधित आवश्यक अभिलेख तैयार रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय पर बैठक स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की स्थिति, विकास कार्यों की प्रगति, विभागीय उपलब्धियों और आमजन से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है।

मझौली के ग्राम ठोंगा में कृषक पाठशाला आयोजित, किसानों को जैविक खेती और उन्नत कृषि तकनीकों का दिया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती और बेहतर फसल प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विकासखंड मझौली द्वारा ग्राम पंचायत ठोंगा में कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया कृषि वर्ष 2026-27 के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों और महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों को खरीफ फसलों की रोपाई, वैज्ञानिक प्रबंधन, जैविक खेती तथा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी गई प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने किसानों को खरीफ

फसलों की बेहतर पैदावार के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की इस दौरान फसल की तैयारी, रोपाई के सही तरीके, पौधों की देखभाल, रोग नियंत्रण और उत्पादन बढ़ाने के उपायों के बारे में बताया गया किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जैविक संसाधनों से तैयार किए जाने वाले प्राकृतिक कीटनाशकों के निर्माण और उपयोग की जानकारी भी दी गई प्रशिक्षण के दौरान ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र सहित अन्य जैविक उपायों के बारे में बताया गया किसानों को समझाया गया कि इन प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से खेती की लागत कम की जा सकती है और मिट्टी की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाए रखा जा सकता है।

सिंगरौली में सोन नदी से निकलकर बस्ती में पहुंचा मगरमच्छ, वन विभाग ने रेस्क्यू कर सुरक्षित नदी में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी क्षेत्र के ग्राम पनवार में बुधवार शाम उस समय ग्रामीणों में दहशत फैल गई, जब सोन नदी से निकलकर एक मगरमच्छ आबादी वाले इलाके में पहुंच गया घरों के पास मगरमच्छ दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और सोन घड़ियाल रेस्क्यू टीम को दी सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ का सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब 5 बजे पनवार गांव के ग्रामीणों ने अपने घरों के आसपास मगरमच्छ को घूमते हुए देखा अचानक बस्ती में मगरमच्छ के पहुंचने से लोगों में डर का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने सतर्कता बरतते हुए वन विभाग को सूचना दी और खुद मगरमच्छ के पास जाने से बचते रहे सूचना मिलने के बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची टीम ने सबसे पहले आसपास सुरक्षा घेरा तैयार किया और ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की इसके बाद विशेषज्ञों की मदद से सावधानीपूर्वक मगरमच्छ को पकड़ लिया गया रेस्क्यू के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे जिन्हें वन विभाग की टीम ने दूर रहने की सलाह दी। रेस्क्यू के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित वाहन में ले जाकर चितावल पुल के पास सोन नदी में छोड़ दिया गया वन विभाग की तत्परता से समय रहते कार्रवाई हो गई जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि या अप्रिय घटना नहीं हुई। वन विभाग के रेंजर चतुर सिंह ने बताया कि बारिश के मौसम में नदियों का जलस्तर बढ़ जाता है और तेज बहाव के कारण कई बार मगरमच्छ और अन्य जलीय जीव रास्ता भटककर रिहायशी क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं।

रीवा में प्रमुख सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्थाएं होंगी दुरुस्त, अस्पताल चौक से शुरू होगी नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने की पायलट पहल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नागरिक सुविधाओं को बेहतर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम ने नई पहल शुरू की है। नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल अस्पताल चौक का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध नागरिक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल चौक को पायलट क्षेत्र के रूप में विकसित करते हुए यहां स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, पेयजल, अतिक्रमण नियंत्रण और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि शहर के ऐसे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक, मरीज, व्यवसायी, बाहर से आने वाले लोग और अन्य वर्ग के लोग पहुंचते हैं इन स्थानों पर सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी अस्पताल चौक के बाद इसी मॉडल को शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी लागू किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने अस्पताल चौक के समीप स्थित खाली भूखंड का अवलोकन किया उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां लेबर स्टैंड और ऑटो स्टैंड विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए ताकि सुबह के समय सड़क किनारे खड़े होने वाले श्रमिकों और ऑटो चालकों को व्यवस्थित स्थान मिल सके। इससे सड़क पर होने वाली अनावश्यक भीड़ और यातायात बाधित होने की समस्या को कम किया जा सकेगा उन्होंने अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने ड्रॉप एंड गो प्वाइंट विकसित करने के निर्देश भी दिए इससे मरीजों और उनके परिजनों को सुविधा मिलेगी तथा अस्पताल चौक पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और जाम की स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। नगर निगम आयुक्त ने अस्पताल चौक क्षेत्र में संचालित ठेला-गुमटियों का सर्वे कर उनकी सूची तैयार करने और निर्धारित सीमा के भीतर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए व्यवस्था बनाई जाए लेकिन यातायात और नागरिक सुविधाओं में बाधा नहीं आनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्रय स्थल का भी जायजा लिया उन्होंने वहां लगी क्षतिग्रस्त जाली की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए ताकि किसी दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके साथ ही आश्रय स्थल में दैनिक पंजी संधारित करने, आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने दीनदयाल रसोई का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की उन्होंने भवन के रंगरोगन और आवश्यक नवीनीकरण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल चौक क्षेत्र में सुबह की पाली में जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए साथ ही इन व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्रमुख जिम्मेदारी है निगम आयुक्त ने अतिक्रमण नियंत्रण को लेकर भी सख्त निर्देश दिए उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक अतिक्रमण निरोधक दल सक्रिय रूप से अभियान चलाएगा इस दौरान सड़क और फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जाएगा।

शर्मसार हैं हम : बारह साला बच्ची पर हैवानियत का कहर

संपादकीय

अब आए दिन देश के प्रिंट मीडिया से लेकर अन्य सूचना माध्यमों में यौन अपराधों की विचलित करने वाली घटनाएं सुर्खियों में रहती हैं। यौन लिप्साओं का यह विस्फोट विचलित करने वाला है। कोई निर्भया, किसी के साहस के बूते अपने साथ हुए अन्याय को उजागर कर देती है, वहीं देश की अनेक निर्भयाएं यौन हिंसा व क्रूरता के बावजूद गुमनामी के अंधेरे में त्रास झेलने को अभिशप्त हो जाती हैं। हाल की दो घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारह वर्षीय बालिका को चार दिन बंधक बनाकर दो दर्जन लोगों द्वारा दुराचार किया गया। इस मामले में 18 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं और कुछ गिरफ्तारियां बाकी हैं। दूसरी घटना पश्चिम बंगाल की है जहां बारुईपुर में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। शव परीक्षण में पाया गया कि उसके सिर व निजी अंगों पर गंभीर चोटें थी। इतना ही नहीं, दुराचार के बाद उसे बोरे मे बंद करके जिंदा ही तालाब में डुबो दिया गया। दोनों ही घटनाएं विचलित करने वाली हैं, लेकिन श्रीगंगानगर की घटना हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली है। जनाक्रोश के चलते प्रशासन ने न केवल 18 लोगों को गिरफ्तार किया बल्कि उन होटलों को भी ध्वस्त किया गया जहां अलग-अलग जगहों में बच्ची को बंधक बनाकर देह व्यापार कराया गया। निस्संदेह, मोबाइल के बढ़ते हस्तक्षेप से परिवार संस्था की चूलें हिली नजर आती हैं। कथित सोशल मीडिया समाज में विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है। श्रीगंगानगर की बारह वर्षीय लड़की शहर से सौ किमी दूर अपने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड से मिलने जाती है, जो उससे वहां दुराचार करता है। वहां से देर रात शहर लौटने पर एक रिक्शेवाले के झांसे में आकर होटल पहुंचती है और फिर उसके साथ दुराचार का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। परिजनों के लापता किशोरी के तलाश में थाने पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आती हैं, फिर उसे मुक्त कराया जाता है। निस्संदेह, ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली हैं। इस राक्षसी कृत्य से उद्वेलित लोग श्रीगंगानगर की सड़कों पर उतर आए। क्षुब्ध लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर कानून के रखवालों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जनाक्रोश को देखते हुए 18 लोगों की गिरफ्तारी हुई। कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लेकिन सवाल यह कि भारतीय समाज में हो रहे यौन लिप्साओं के विस्फोट की वजह क्या है? ये नैतिक पतन की पराकाष्ठा क्यों हो रही है? हवस के भूखे भेड़िए न उम्र देखते हैं, न किसी बेटी की बेबसी। उस किशोरी के साथ हुई बर्बरता के बारे में सोचकर भी रूह कांपती है। जो शायद ही जीवनभर इस त्रासदी से उबर पाये। कहीं न कहीं इंटरनेट व सोशल मीडिया पर यौन स्वच्छंदता की पश्चिम की आंधी हमारे समाज को पतित कर रही है। हमारे परंपरागत शुचिता के रिश्तों को तार-तार करके निरंकुश यौन व्यवहार को तार्किक बताने की साजिश रची जा रही है। हम बच्चों को रामराज के संस्कार देते हैं, जबकि समाज में दानवराज का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है।

साणंद का सेमीकंडक्टर केंद्र, आत्मनिर्भर भारत की नई पहचान

सौरभ वार्ष्णेय

गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का संचालन केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक कदम है। आज जब दुनिया की अर्थव्यवस्था सेमीकंडक्टर चिप्स पर निर्भर होती जा रही है, ऐसे समय में भारत का इस क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा, दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चार जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के साणंद में सीजी सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का उद्घाटन कर देश को समर्पित किया। ओएसएटी सुविधा का कार्य चिप निर्माण के बाद उनकी असेंबली, पैकेजिंग और परीक्षण करना होता है। यह सेमीकंडक्टर उद्योग की आपूर्ति श्रृंखला का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। अब तक भारत इस क्षेत्र में लगभग पूरी तरह विदेशी कंपनियों और आयातित चिप्स पर निर्भर रहा है, जिससे वैश्विक संकट या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में देश के इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, दूरसंचार और रक्षा क्षेत्र प्रभावित होते रहे हैं। साणंद में स्थापित यह इकाई इस निर्भरता को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। करीब 7,600 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित यह परियोजना भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक नई पहचान दिलाने की क्षमता रखती है। यह संयंत्र ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, 5जी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और ऊर्जा क्षेत्र के लिए चिप्स की पैकेजिंग और परीक्षण करेगा। इससे देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी तथा मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया अभियानों को नई गति प्राप्त होगी।

इस परियोजना का एक बड़ा लाभ रोजगार सृजन के रूप में सामने आएगा। उच्च तकनीक आधारित उद्योगों के विकास से इंजीनियरों, तकनीशियनों और शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे। इससे देश के युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण और अनुभव प्राप्त होगा, जो भारत को केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि प्रौद्योगिकी उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में सहायक बनेगा। आने वाले वर्षों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होने की संभावना है। साणंद पहले ही ऑटोमोबाइल और विनिर्माण उद्योग का प्रमुख केंद्र रहा है। अब सेमीकंडक्टर उद्योग के आगमन से यह क्षेत्र भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में विकसित हो सकता है। यहां अन्य वैश्विक कंपनियों की उपस्थिति, निवेश और अनुसंधान गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे गुजरात ही नहीं बल्कि पूरे देश की औद्योगिक क्षमता में वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर उद्योग रणनीतिक महत्व रखता है। कोविड महामारी और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौरान दुनिया ने चिप्स की कमी के दुष्प्रभावों को देखा है। ऐसे में भारत का अपना सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी आवश्यक है। साणंद का ओएसएटी केंद्र इस दिशा में भारत के आत्मविश्वास और दूरदर्शी नीति का प्रतीक है।निस्संदेह, गुजरात के साणंद में स्थापित सीजी सेमी ओएसएटी सुविधा भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता, रोजगार, निर्यात वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। यह केवल एक उद्योग की शुरुआत नहीं, बल्कि विकसित भारत के उस स्वप्न की नींव है जिसमें देश विश्व की उन्नत तकनीकी शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई देगा।

क्या शिक्षा सेवा है या बाज़ार? स्कूलों में कॉपी- किताब, यूनिफॉर्म और शैक्षणिक सामग्री की अनिवार्य खरीद पर राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत में प्रत्येक वर्ष जुलाई का महीना लाखों करोड़ों विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत का प्रतीक होता है। नई कक्षाएँ,नए सपने, नई पुस्तकें,नई वर्दी और नई उम्मीदें, ये सब मिलकर शिक्षा का उत्सव रचते हैं। किंतु इसी उत्सव के बीच एक ऐसी समस्या लगातार गहराती जा रही है,जो शिक्षा के मूल उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। देश के अनेक निजी विद्यालयों में अभिभावकों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी विशेष दुकान अथवा स्वयं विद्यालय से ही पुस्तकें, कॉपियाँ, यूनिफॉर्म, जूते, बैग तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किए जाने की शिकायतें वर्षों से सामने आती रही हैं।इससे शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यावसायिक गतिविधि का रूप लेता दिखाई देता है। 2 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में शालेय शिक्षण मंत्री ने इस विषय पर सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में ही आवश्यक सामग्री समय पर पहुँचाना है। यदि किसी जिले या विद्यालय में वितरण में देरी अथवा अनियमितता होती है, तो उसकी जिम्मेदारी तय कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी निजी विद्यालय अभिभावकों को किसी एक विशेष दुकान से पुस्तकें, यूनिफॉर्म या अन्य शाला सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। यदि ऐसी शिकायतें प्राप्त होती हैं, तो संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह वक्तव्य केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि पूरे भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक नीति- संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए।दरअसल, भारत का संविधान शिक्षा को समान अवसर का आधार मानता है। शिक्षा का अधिकार केवल विद्यालय में प्रवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना भी राज्य की जिम्मेदारी है जिसमें आर्थिक स्थिति किसी बच्चे की शिक्षा में बाधा न बने। यदि किसी अभिभावक को बाजार में उपलब्ध समान गुणवत्ता की पुस्तकें या यूनिफॉर्म कम कीमत पर मिल सकती हैं, फिर भी उसे विद्यालय द्वारा निर्धारित विक्रेता से ही खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है,तो यह प्रतिस्पर्धा उपभोक्ता अधिकार और शिक्षा की नैतिकता, सटीक रूप से तीनों के विरुद्ध है। साथियों, देश के अनेक शहरों और कस्बों में यह देखा गया है कि कुछ विद्यालय विशेष प्रकाशकों से समझौता कर ऐसी पुस्तकें निर्धारित कर देते हैं जो सामान्य बाजार में उपलब्ध नहीं होतीं।कई विद्यालय अपनी अलग अभ्यास पुस्तिकाएँ भी अनिवार्य कर देते हैं। इसी प्रकार यूनिफॉर्म के लिए भी एक निश्चित दुकान तय कर दी जाती है। परिणामस्वरूप अभिभावकों के पास विकल्प समाप्त हो जाता है और उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। कई बार एक ही गुणवत्ता की सामग्री खुले बाजार में काफी कम मूल्य पर उपलब्ध होती है, लेकिन विद्यालय की शर्तों के कारण उसका लाभ नहीं मिल पाता।भारत जैसे देश में,जहाँ बड़ी संख्या में परिवार मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग से आते हैं, शिक्षा पर होने वाला अतिरिक्त व्यय परिवार की आर्थिक व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। कई अभिभावकों को बच्चों की फीस, परिवहन, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और अन्य खर्चों के लिए ऋष्टा लेना पड़ता है। यदि शैक्षणिक सामग्री की खरीद में प्रतिस्पर्धा और विकल्प समाप्त कर दिए जाएँ, तो यह आर्थिक बोझ और बढ़ जाता है। शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक समानता स्थापित करना है, न कि आर्थिक असमानता को और गहरा करना। साथियों, शासकीय विद्यालयों की स्थिति इससे भिन्न होते हुए भी चुनौतियों से मुक्त नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारें विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें,यूनिफॉर्म,बैग तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए बड़ी धनराशि खर्च करती हैं।कई राज्यों में वितरण प्रक्रिया में देरी,आपूर्ति संबंधी समस्याएँ अथवा प्रशासनिक लापरवाही जैसी शिकायतें सामने आती हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में मंत्री द्वारा अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यदि निर्धारित समय पर सामग्री विद्यार्थियों तक पहुँचेगी, तभी सरकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।आज आवश्यकता केवल सामग्री उपलब्ध कराने की नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की भी है। यदि पुस्तकें सत्र शुरू होने के कई सप्ताह बाद मिलती हैं, तो विद्यार्थी प्रारंभिक अध्ययन से वंचित हो जाते हैं। यदि यूनिफॉर्म समय पर नहीं मिलती, तो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को सामाजिक असहजता का सामना करना पड़ता है। इसलिए वितरण व्यवस्था का वैज्ञानिक और डिजिटल प्रबंधन समय की मांग है। साथियों, यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है। निजी विद्यालयों ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन शिक्षा सेवा और व्यावसायिक गतिविधि के बीच संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। अधिकांश निजी विद्यालय नियमों का पालन करते हैं, किंतु कुछ संस्थानों की गलत कार्यप्रणालियाँ पूरे निजी शिक्षा क्षेत्र की छवि को प्रभावित करती हैं। इसलिए नियमों का समान और निष्पक्ष पालन आवश्यक है।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विद्यालय केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने का केंद्र नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों का भी निर्माण करते हैं। यदि विद्यालय स्वयं पारदर्शिता, निष्पक्षता और उपभोक्ता अधिकारों का सम्मान नहीं करेंगे, तो विद्यार्थियों में इन मूल्यों का विकास कैसे होगा? शिक्षा संस्थानों का आचरण स्वयं विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ा पाठ होता है। साथियों, अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि किसी विद्यालय द्वारा किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने का दबाव बनाया जाता है, तो अभिभावकों को सामूहिक रूप से विद्यालय प्रबंधन से संवाद करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित शिक्षा अधिकारी अथवा सक्षम प्रशासनिक प्राधिकारी के समक्ष शिकायत भी प्रस्तुत की जा सकती है। जागरूक नागरिक ही पारदर्शी व्यवस्था की नींव होते हैं।आज डिजिटल तकनीक इस समस्या का व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत करती है। प्रत्येक विद्यालय अपनी पुस्तक सूची, यूनिफॉर्म का डिज़ाइन, आवश्यक सामग्री और उनकी विशिष्टताएँ सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध करा सकता है। इससे अभिभावक किसी भी अधिकृत विक्रेता से निर्धारित मानकों के अनुरूप सामग्री खरीद सकेंगे। प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, कीमतें नियंत्रित रहेंगी और पारदर्शिता सटीकता से स्वतः स्थापित होगी। साथियों, राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी नीति विकसित करने की आवश्यकता है जिसमें स्पष्ट रूप से यह प्रावधान हो कि विद्यालय किसी एक दुकान, विक्रेता या प्रकाशक से खरीद को अनिवार्य नहीं बना सकेंगे।विद्यालय केवल गुणवत्ता और विनिर्देश निर्धारित करें,खरीद का विकल्प अभिभावकों के पास रहे। यदि कोई विशेष सामग्री विद्यालय द्वारा तैयार की गई हो,तो उसकी कीमत, लागत और वितरण प्रक्रिया भी पारदर्शी होनी चाहिए।उपभोक्ता अधिकारों के दृष्टिकोण से भी यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के विक्रेता से वस्तु खरीदने का अधिकार है। यदि किसी संस्था द्वारा यह स्वतंत्रता सीमित की जाती है, तो यह निष्पक्ष व्यापार की भावना के विपरीत है। शिक्षा संस्थानों को इस सिद्धांत का सम्मान करना चाहिए। साथियों, विद्यालय प्रबंधन को भी यह समझना होगा कि अभिभावक उनके ग्राहक नहीं, बल्कि शिक्षा के साझेदार हैं। विश्वास,सहयोग और पारदर्शिता पर आधारित संबंध ही किसी भी उत्कृष्ट विद्यालय की पहचान होते हैं। अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए यदि अभिभावकों का विश्वास खो दिया जाए, तो संस्था की सामाजिक प्रतिष्ठा भी प्रभावित होती है।समाज के स्तर पर भी हमें यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा को व्यापार नहीं बनने देना है। विद्यालयों का मूल्यांकन केवल भवन, परिणाम या सुविधाओं से नहीं,बल्कि उनकी नैतिकता, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी होना चाहिए। जो विद्यालय अभिभावकों को विकल्प देते हैं, उचित मूल्य सुनिश्चित करते हैं और विद्यार्थियों के हित को सर्वोपरि रखते हैं, वे वास्तव में आदर्श शिक्षा संस्थान कहलाने के अधिकारी हैं।महाराष्ट्र विधानसभा में मंत्री द्वारा दिया गया संदेश इसी व्यापक राष्ट्रीय सोच का प्रतिनिधित्व करता है कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता जवाबदेही और अभिभावकों के अधिकारों की रक्षा अनिवार्य है। यदि इस भावना को सभी राज्य अपनाएँ और प्रभावी रूप से लागू करें, तो करोड़ों परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा शिक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास और सटीकता से मजबूत होगा। साथियों, अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं कि विकसित देशों में अधिकांश विद्यालय आवश्यक सामग्री की सूची उपलब्ध कराते हैं, लेकिन खरीद का विकल्प अभिभावकों पर छोड़ते हैं। इससे प्रतिस्पर्धा बनी रहती है, कीमतें नियंत्रित रहती हैं और परिवारों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव नहीं पड़ता। भारत भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठाकर शिक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी तथा जनहितकारी बना सकता है।शासन की जिम्मेदारी केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नियमित निरीक्षण, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली, समयबद्ध जांच, दोषी संस्थानों पर दंडात्मक कार्रवाई तथा शिकायतकर्ताओं कीगोपनीयता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। जब तक नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होगा, तब तक केवल दिशा-निर्देश पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह प्रश्न केवल कॉपी, पुस्तक, बैग या यूनिफॉर्म का नहीं है। यह प्रश्न शिक्षा के चरित्र का है। क्या विद्यालय ज्ञान के मंदिर बने रहेंगे या धीरे-धीरे बाज़ार का विस्तार बन जाएँगे? इसका उत्तर सरकार, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज–सभी को मिलकर देना होगा। जब प्रत्येक विद्यार्थी को समय पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामग्री मिले, अभिभावकों को खरीद की स्वतंत्रता प्राप्त हो, सरकारी योजनाओं का लाभ बिना विलंब पहुँचे और निजी विद्यालय पूर्ण पारदर्शिता से कार्य करें, तभी भारत की शिक्षा व्यवस्था वास्तव में समावेशी, न्यायपूर्ण, उत्तरदायी और विश्वस्तरीय बन सकेगी। यही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है और यही विकसित भारत की मजबूत नींव भी।

विकास के साथ परमाणु रक्षा मजबूती जरूरी

वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा मजबूती के लिए रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप मे उभर कर दिखाई दे रहा है...

डॉ. जयंती लाल भंडारी

इस समय जिस तरह पाकिस्तान के द्वारा सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद पाकिस्तान के हिस्से का भारत के द्वारा पानी रोकने के परिप्रेक्ष्य में युद्ध और परमाणु हमले की धमकियां दी जा रही हैं तथा पाकिस्तान को चीन और तुर्किये से आधुनिक सैन्य हथियारों की आपूर्ति की जा रही है, उसके मद्देनजर भारत के लिए तेज विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे सहित बहुआयामी रक्षा मजबूती जरूरी दिखाई दे रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए रक्षा मजबूती आवश्यक है। इस परिप्रेक्ष्य में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि भारत तेज आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक भू राजनीतिक चुनौतियों और सीमा पार पड़ोसियों से मिल रही रक्षा चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत परमाणु निवारक क्षमता से दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक विश्वास बढ़ रहा है, भारत में निवेश बढ़ रहे हैं, भारत के व्यापार समझौते बढ़ रहे हैं और भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे में अब भारत को विकसित राष्ट्र और दुनिया की महाशक्ति बनाने के मद्देनजर और तेजी से आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर आगे बढना जरूरी है। इस परिप्रेक्ष्य में दो हालिया रिपोर्टें उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार मोर्चे पर दुनिया में अभूतपूर्व तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सिप्री ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु वॉरहेड (पाकिस्तान-170) हो गए हैं। भारत के पास एक साल पहले इनकी संख्या 180 थी। इनमें से 12 परमाणु बमों को उनके डिलीवरी सिस्टम जैसे मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें ऑपरेशनल फोर्स वाले बेस पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग स्टोरेज फैसिलिटी में रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है। लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु वॉरहेड को तैनात लॉन्चर से अलग रखता है। मिसाइलों को लगातार कैनिस्टर में रखने और समुद्र में डेटरेंस पैट्रोलिंग (सुरक्षा के लिए गश्त) करने जैसे हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ वॉरहेड को लॉन्चर के साथ जोडने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा मजबूती के लिए रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप मे उभर कर दिखाई दे रहा है। निश्चित रूप से एक ऐसे समय में जब भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, वरन् उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की जरूरत दिखाई दे रही है। यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि भारत के पड़ोस में सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान के द्वारा आधुनिक चीनी हथियारों से आतंक और घुसपैठ को प्रश्रय दिया जा रहा है। पिछले दिनों ईरान-अमरीका के बीच मध्यस्थता के प्रयासों से पाकिस्तान को अमरीका से सराहना मिली है और आतंकी पाकिस्तान की अमरीका से निकटता बढ़ी है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन की ओर से भी सीमा पर भारत के संप्रभु इलाकों पर चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं। चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) एवं विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। पिछले दिनों चीन द्वारा शरारत पूर्ण तरीके से अक्साई चीन में नई एडमिनिस्ट्रेटिव काउंटी स्थापित की गई है। चीन हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' नीति के जरिए भी भारत को चुनौती दे रहा है। ऐसे में भारत चीन के हर विस्तारवादी कदम का लगातार कड़ा और बहुआयामी जवाब देते हुए दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 7 मई से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन ने पाकिस्तान को साइबर सपोर्ट, उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है। पिछले दिनों अमरीका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर के द्वारा प्रस्तुत 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान के द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने किया सरेंडर, तीन साल बाद EOW के सामने हुए पेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कथित शराब घोटाले और अन्य आर्थिक अनियमितताओं की जांच के बीच कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने करीब तीन वर्ष बाद आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बुधवार को वे रायपुर स्थित EOW कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जांच एजेंसी के समक्ष सरेंडर किया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक EOW की ओर से उनके सरेंडर को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था जांच एजेंसियों के अनुसार रामगोपाल अग्रवाल का नाम कथित शराब घोटाले, कोल लेवी वसूली और कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाले की जांच के दौरान सामने आया है उन पर आरोप है कि कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहते हुए कथित घोटाले से जुड़े धन को कांग्रेस के राजीव भवन तक मंगवाने में उनकी भूमिका रही इन आरोपों की अभी न्यायिक पुष्टि नहीं हुई है और मामला जांच एवं अदालती प्रक्रिया के अधीन है सूत्रों के अनुसार सरेंडर से पहले EOW ने रामगोपाल अग्रवाल के बेटे वैभव अग्रवाल से भी लंबी पूछताछ की। अधिकारियों ने उनसे पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके पिता के ठिकानों, आर्थिक लेन-देन, संपर्कों और कथित नेटवर्क से जुड़े कई सवाल पूछे हालांकि पूछताछ के बाद वैभव अग्रवाल की गिरफ्तारी नहीं की गई। एजेंसी अब रामगोपाल अग्रवाल के संपर्क में रहे अन्य लोगों से भी जानकारी जुटाकर पूरे आर्थिक नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में लगी है जांच एजेंसियों के मुताबिक रामगोपाल अग्रवाल का नाम करीब 3,000 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले, 450 करोड़ रुपये के कथित कोल लेवी वसूली मामले तथा 127 करोड़ रुपये के कथित कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाले की जांच में सामने आया एजेंसियां इन मामलों में धन के प्रवाह, लाभार्थियों और कथित कमीशन नेटवर्क की जांच कर रही हैं बताया जा रहा है कि रामगोपाल अग्रवाल पिछले लगभग तीन वर्षों से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए थे। इस दौरान उनके देश और विदेश में होने की चर्चाएं भी सामने आती रहीं जांच एजेंसियां लगातार उनकी लोकेशन और उनसे जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही थीं। प्रवर्तन निदेशालय और EOW की जांच के अनुसार वर्ष 2019 से 2022 के बीच राज्य की सरकारी शराब बिक्री व्यवस्था में कथित सिंडिकेट बनाकर अवैध शराब की बिक्री, कमीशनखोरी और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने का आरोप है जांच एजेंसियों का दावा है कि इस पूरे नेटवर्क के माध्यम से करीब 3,200 करोड़ रुपये का अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया मामले में कई आईएएस अधिकारियों, आबकारी विभाग के अधिकारियों, कारोबारियों और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं हालांकि इन आरोपों पर अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा किया जाना शेष है। कथित कोल लेवी घोटाला वर्ष 2020 से 2022 के बीच कोयला परिवहन और खनन कारोबार से जुड़ा है जांच एजेंसियों का आरोप है कि कोयला परिवहन करने वाले कारोबारियों से प्रति टन निर्धारित राशि अवैध रूप से वसूली गई जिससे लगभग 540 करोड़ रुपये की अवैध लेवी एकत्र की गई। वहीं, कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाले में वर्ष 2015 से 2023 के बीच धान मिलिंग के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के भुगतान में कथित अनियमितताओं का आरोप है। EOW के अनुसार नियमों के उल्लंघन कर चुनिंदा राइस मिलर्स को अनुचित लाभ पहुंचाया गया जिससे लगभग 127 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता हुई। फिलहाल तीनों मामलों की जांच जारी है। EOW और अन्य जांच एजेंसियां दस्तावेजों, आर्थिक लेन-देन और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही हैं रामगोपाल अग्रवाल के सरेंडर के बाद इन मामलों की जांच में नए तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है वहीं सभी आरोप अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन हैं तथा अंतिम निष्कर्ष अदालत के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होंगे।

ग्राम केल्हारी के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन, सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने अभियान तेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा जल गुणवत्ता संरक्षण अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत केल्हारी अंतर्गत ग्राम केल्हारी में स्थापित सभी सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया इस पहल का उद्देश्य जल स्त्रोतों को संक्रमण मुक्त बनाकर ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना और जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन में विभाग की तकनीकी टीम और हैंडपंप टेक्निशियनों ने विशेष अभियान चलाकर ग्राम के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित हैंडपंपों में निर्धारित मानकों के अनुसार क्लोरीनेशन किया। इस दौरान आत्मानंद विद्यालय, पंचायत भवन, बीच मोहल्ला, आंगनबाड़ी केंद्र, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगे सभी हैंडपंपों को अभियान में शामिल किया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार ग्राम केल्हारी में कुल 12 सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन किया गया जिसमें प्रत्येक हैंडपंप में निर्धारित मात्रा के अनुसार 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग किया गया क्लोरीनेशन की प्रक्रिया से पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं, बैक्टीरिया एवं संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित किया जाता है जिससे जल की गुणवत्ता बेहतर होती है और लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो पाता है।

मोर गांव मोर पानी' अभियान बना जल संरक्षण की नई मिसाल, 350 आजीविका डबरियां और 150 से अधिक तालाबों से बदलेगा ग्रामीण जल परिदृश्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव मोर पानी' अभियान जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण विकास का प्रभावी मॉडल बनकर उभर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित इस अभियान के तहत अब तक 350 आजीविका डबरियों तथा 150 से अधिक सामुदायिक तालाबों का निर्माण, गहरीकरण और विकास किया जा चुका है इन जल संरचनाओं से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल संवर्धन, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण आजीविका को स्थायी मजबूती मिलने की उम्मीद है मानसून के दौरान प्राप्त होने वाले वर्षा जल को संरक्षित करने के उद्देश्य से तैयार की गई इन जल संरचनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब दिखाई देने लगा है आजीविका डबरियां और सामुदायिक तालाब वर्षा जल को संचित कर भू-जल स्तर बढ़ाने के साथ-साथ किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध कराएंगे इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसान फसल विविधीकरण की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगे अभियान के तहत निर्मित 350 आजीविका डबरियां ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार और आय का नया माध्यम भी बनेंगी। इनका उपयोग मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, उद्यानिकी, पशुपालन तथा अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों में किया जा सकेगा इससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे वहीं 150 से अधिक सामुदायिक तालाबों के निर्माण और गहरीकरण से गांवों की जल संचयन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी इन तालाबों का उपयोग सिंचाई, पशुओं के लिए पेयजल उपलब्ध कराने भू-जल पुनर्भरण तथा पर्यावरण संरक्षण में किया जाएगा गर्मी के मौसम में जल संकट से राहत मिलने के साथ ही जल स्त्रोतों की स्थिरता भी बनी रहेगी। जिला प्रशासन के अनुसार यह अभियान केवल जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़कर जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है साथ ही निर्मित जल संरचनाओं के नियमित रखरखाव और संरक्षण पर भी विशेष बल दिया जा रहा है ।

इफको नैनो डीएपी से बढ़ा किसान का भरोसा, उर्वरक और बीज मिलने से खरीफ की तैयारी हुई आसान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक कृषि तकनीकों और उन्नत उर्वरकों का उपयोग किसानों की खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनकपुर क्षेत्र के ग्राम कोटडोल निवासी किसान शंकर यादव ने इस खरीफ सीजन में इफ्को नैनो डीएपी का उपयोग कर नई कृषि तकनीक अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरकों की उपलब्धता से उन्होंने खरीफ फसल की तैयारी निर्धारित समय पर पूरी कर ली है और बेहतर उत्पादन की उम्मीद जताई है आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, जनकपुर द्वारा किसान शंकर यादव को कृषि कार्य के लिए आवश्यक आदान समय पर उपलब्ध कराए गए। समिति से उन्हें इफ्को डीएपी (18:46) की एक बोरी, इफ्को नैनो डीएपी की एक बोतल, दो बोरी नीम लेपित यूरिया तथा 30 किलोग्राम एमटीयू-1156 प्रमाणित धान बीज प्रदान किए गए इन संसाधनों की समय पर उपलब्धता से उन्होंने खेतों की तैयारी पूरी कर खरीफ फसल की बुवाई भी समय पर शुरू कर दी। किसान शंकर यादव ने बताया कि इस बार उन्होंने पारंपरिक उर्वरकों के साथ इफ्को नैनो डीएपी का भी उपयोग करने का निर्णय लिया है उनके अनुसार नैनो डीएपी आधुनिक तकनीक पर आधारित उर्वरक है जो कम मात्रा में ही फसल को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराता है।

मनेन्द्रगढ़ में विदेशी मदिरा दुकान के लिए भवन किराये पर लेने तीसरी लघु निविदा जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) ने जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत संचालित विदेशी मदिरा दुकान, मनेन्द्रगढ़ के संचालन के लिए उपयुक्त भवन किराये पर लेने हेतु तृतीय लघु निविदा जारी की है। नगर पालिका क्षेत्र मनेन्द्रगढ़ के भीतर स्थित भवनों के स्वामियों से तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। चयनित भवन को अधिपत्य ग्रहण करने की तिथि से 31 मार्च 2027 तक किराये पर लिया जाएगा। जिला आबकारी कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना के अनुसार इच्छुक भवन स्वामी एवं निविदाकार अपनी तकनीकी बिड और प्राइस बिड अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में निर्धारित प्रारूप के अनुसार प्रस्तुत कर सकते हैं निविदाएं 14 जुलाई 2026 को दोपहर 2 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा की जा सकेंगी निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा सभी प्राप्त तकनीकी एवं वित्तीय निविदाओं को 14 जुलाई 2026 को शाम 4:30 बजे गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोला जाएगा इस प्रक्रिया का उद्देश्य भवन चयन में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करना है निविदा से संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्तें, पात्रता, भवन की आवश्यकताओं तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है इच्छुक आवेदक अवकाश के दिनों को छोड़कर निविदा जमा करने की अंतिम तिथि से एक दिन पूर्व तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए 500 रुपये का बैंक ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य होगा यह बैंक ड्राफ्ट प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के पक्ष में देय होना चाहिए निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही निविदा दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन आवेदकों ने पूर्व में निविदा प्रपत्र खरीदे हैं वे भी उन्हीं प्रपत्रों का उपयोग करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी निविदाएं जमा कर सकते हैं इसके लिए नया प्रपत्र खरीदना आवश्यक नहीं होगा जिला प्रशासन के अनुसार यह तृतीय लघु निविदा सूचना कलेक्टर के अनुमोदन के बाद जारी की गई है पात्र भवनों का चयन निर्धारित मानकों और निविदा की शर्तों के अनुरूप किया जाएगा ताकि विदेशी मदिरा दुकान का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके इच्छुक भवन स्वामियों से समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई है।

शिवपुरी में संदिग्ध हालात में युवक का शव मिला, बुआ के घर आया था नेतराम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पोहरी थाना क्षेत्र के जाखनौद गांव में बुधवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खरंजे पर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान नेतराम आदिवासी (25) निवासी देहदेह के रूप में हुई है परिजनों के अनुसार नेतराम मंगलवार को अपनी मां से जाखनौद स्थित बुआ कारी आदिवासी के घर जाने की बात कहकर निकला था और रात में वहीं पहुंचा था बुधवार सुबह गांव की महिलाएं पानी भरने जा रही थीं तभी उन्होंने खरंजे पर नेतराम को बेसुध अवस्था में पड़ा देखा महिलाओं ने तत्काल इसकी सूचना उसकी बुआ को दी कारी आदिवासी अपने दामाद के साथ मौके पर पहुंचीं जहां उन्होंने नेतराम को मृत पाया इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई पोहरी थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर संदिग्ध मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

शिवपुरी में सरपंच दंपती 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, कपिलधारा योजना का भुगतान कराने मांगी थी रकम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की खनियाधाना जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जुंगीपुर की सरपंच और उनके पति को ग्वालियर लोकायुक्त पुलिस ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है आरोप है कि दोनों ने कपिलधारा योजना के तहत निर्मित कुएं का भुगतान जारी कराने के बदले हितग्राही से रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त की टीम ने बुधवार सुबह सरपंच के आवास पर ट्रैप कार्रवाई करते हुए दोनों को रिश्वत की रकम के साथ पकड़ लिया जानकारी के ग्राम जुंगीपुर निवासी हितग्राही राहुल सिंह यादव ने वर्ष 2025 में कपिलधारा योजना के अंतर्गत अपने खेत में कुएं का निर्माण कराया था निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भुगतान स्वीकृत कराने की प्रक्रिया चल रही थी आरोप है कि ग्राम पंचायत की सरपंच केशवती कोली और उनके पति खेमचंद कोली ने भुगतान जारी करने के एवज में 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। रिश्वत की मांग से परेशान होकर राहुल सिंह यादव ने 3 जुलाई 2026 को ग्वालियर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई लोकायुक्त पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले का सत्यापन कराया शिकायत सही पाए जाने पर आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई गई बुधवार सुबह करीब 10 बजे लोकायुक्त की टीम उपजेल के पीछे स्थित सरपंच के आवास पहुंची शिकायतकर्ता द्वारा तय राशि देने के दौरान टीम ने छापा मारकर सरपंच केशवती कोली और उनके पति खेमचंद कोली को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद लोकायुक्त टीम फरियादी और दोनों आरोपियों को अपने साथ लेकर तत्काल वहां से रवाना हो गई कुछ समय तक उनके ठिकाने की जानकारी नहीं मिलने से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई और यहां तक अफवाह फैल गई कि कार्रवाई करने वाली टीम फर्जी थी हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि लोकायुक्त की टीम वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के लिए पिछोर थाना क्षेत्र से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित दिनारा रेस्ट हाउस पहुंची थी जहां पंचनामा सहित अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। इस ट्रैप कार्रवाई का नेतृत्व लोकायुक्त निरीक्षक उपेंद्र दुबे और निरीक्षक अंजली शर्मा ने किया कार्रवाई में प्रधान आरक्षक देवेंद्र पवैया, हेमंत शर्मा, आरक्षक प्रशांत कुशवाहा, अंकेश शर्मा, सुरेंद्र सेमल, आरिफ खान, बिसंबर भदौरिया, बलबीर सहित लोकायुक्त की टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे।

शिवपुरी में तेज रफ्तार स्लीपर बस हाईवे के मीडियन में उतरी, बड़ा हादसा टला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग-46 (एनएच-46) पर एक स्लीपर कोच बस अनियंत्रित होकर हाईवे के मीडियन में उतर गई मीडियन की गीली मिट्टी में बस फंस जाने से वह पलटने से बच गई जिससे बड़ा हादसा टल गया दुर्घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जानकारी के अनुसार कृष्णा ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP 31 ZD 8199 इंदौर से ग्वालियर जा रही थी बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे बदरवास के सड़ बाईपास के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे के मीडियन में उतर गई हादसे के बाद बस चालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना पर बदरवास थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला पुलिस ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक वाहन की व्यवस्था भी कराई हादसे में बामौरकला निवासी मोनिका जाटव सहित कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आईं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि बस चालक शुरू से ही तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था उनका कहना है कि सफर के दौरान कई यात्रियों ने चालक से बस की रफ्तार कम करने का अनुरोध किया था लेकिन उसने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया ।

सरगुजा कमिश्नर का एमसीबी कलेक्ट्रेट में आकस्मिक निरीक्षण, लंबित फाइलों के त्वरित निराकरण और डिजिटल रिकॉर्ड पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा ने बुधवार को एमसीबी जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, दस्तावेजों के संधारण, लंबित प्रकरणों और विभिन्न शाखाओं में चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े तथा अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार भी उपस्थित रहे। कमिश्नर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के विभिन्न महत्वपूर्ण कक्षों और शाखाओं का निरीक्षण किया उन्होंने एआरईएस कक्ष, आवक-जावक शाखा, निर्वाचन शाखा, वित्त शाखा और स्थापना शाखा सहित अन्य विभागों में पहुंचकर वहां संचालित कार्यों की जानकारी ली उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालयीन प्रक्रिया, फाइलों की स्थिति और उनके निराकरण की गति के संबंध में चर्चा की निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव और फाइलों के समय पर निष्पादन पर विशेष ध्यान दिया उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शासकीय कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखना आवश्यक है किसी भी स्तर पर अनावश्यक रूप से फाइलों को लंबित नहीं रखा जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने अधिकारी सुरेंद्र जैन को समय-सीमा बैठक की कार्यवाही को ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से कार्यों की निगरानी और समीक्षा अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने सूचना का अधिकार (आरटीआई) से संबंधित सभी दस्तावेजों और फाइलों को स्कैन कर डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए ताकि जरूरत पड़ने पर संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन, वित्त और स्थापना शाखा की फाइलों का अवलोकन करते हुए कमिश्नर ने कहा कि सभी प्रकरणों का नियमित रूप से प्रतिदिन निराकरण किया जाए उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कार्यालयों में लंबित फाइलों की संख्या कम करना और नागरिकों से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों में प्राप्त शिकायतों, उनके निराकरण की स्थिति और लंबित मामलों की भी जानकारी ली कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा ने कहा कि बेहतर प्रशासन के लिए जरूरी है कि कार्यालयीन व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित हो, रिकॉर्ड सुरक्षित रहें और नागरिकों को समय पर सेवाओं का लाभ मिले उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य संस्कृति में सुधार लाने, जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करने और शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

मैराथन से दिया साइबर जागरुकता का संदेश

साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर दे सूचना; 5 किमी तक पुलिस अधिकारी व कर्मचारी दौड़े

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2.0' के तहत मंगलवार सुबह पुलिस विभाग ने साइबर सुरक्षा का संदेश देने के लिए साइबर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया। करीब पांच किलोमीटर लंबी इस मैराथन में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दौड़ लगाई। मैराथन के माध्यम से प्रतिभागियों ने लोगों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने का संदेश दिया। मैराथन का शुभारंभ पोलो ग्राउंड से हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) राकेश पंद्रो ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। मैराथन पोलो ग्राउंड से शुरू होकर छत्री पुल, आरोग्यम हॉस्पिटल, लोकेंद्र टॉकीज चौराहा, दो बत्ती चौराहा और महाराजा सज्जन सिंह चौराहे से होते हुए पुनः पोलो ग्राउंड पहुंची, जहां इसका समापन हुआ।

मैराथन में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों तथा वरिष्ठ नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

तीन वर्गों में हुई: मैराथन तीन वर्गों में हुई। महिला वर्ग में कॉन्स्टेबल आरती चौधरी ने प्रथम स्थान, स्वाति शर्मा ने द्वितीय स्थान एवं निकिता वीरवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में कॉन्स्टेबल हीरालाल नर्गिस ने प्रथम स्थान, आरक्षक सूर्यपाल सिंह चंद्रावत ने द्वितीय स्थान एवं आरक्षक सुनील गरवड़ा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में दयाकिशन यादव ने प्रथम स्थान, सब इंस्पेक्टर प्रेमसिंह हटीला ने द्वितीय एवं एएसपी ने राकेश पंद्रो ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

एसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मैराथन के समापन पर एसपी अमित कुमार द्वारा तीनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने उपस्थित प्रतिभागियों से आव्हान किया कि साइबर अपराधों से सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सभी से साइबर योद्धा बनकर स्वयं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक करने की अपील की।

यह अधिकारी रहे मौजूद

सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, डीएसपी अनिशा जैन, आरआई मोहन भर्रावत, थाना प्रभारी गायत्री सोनी, जितेंद्र सिंह जादौन, सब इंस्पेक्टर जीवन बारिया, सूबेदार अनोखीलाल परमार समेत साइबर सेल, पुलिस लाइन एवं एसपी ऑफिस के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा का यह दिया संदेश

किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। OTP, PIN, पासवर्ड एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें। डिजिटल अरेस्ट, निवेश फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल एवं सोशल मीडिया फ्रॉड से सतर्क रहें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर बिना समय गंवाए तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 व राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर शिकायत दर्ज कराएं।

नान्देड-टनकपुर एक्सप्रेस 12 जुलाई से इटारसी होकर चलेगी,बीना, रानी कमलापति स्टेशनों पर भी होगा ठहराव

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों के लिए नई सुविधा की घोषणा की है। नान्देड-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन 12 जुलाई से शुरू होगा। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी, रानी कमलापति और बीना स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को उत्तराखंड और महाराष्ट्र के बीच सीधा रेल संपर्क मिलेगा। गाड़ी संख्या 17631 नान्देड-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को रात 11:40 बजे नान्देड से रवाना होगी। यह ट्रेन पूर्णा, अकोला और खंडवा होते हुए अगले दिन दोपहर 11:55 बजे इटारसी पहुंचेगी और 12:05 बजे आगे बढ़ेगी। इसके बाद, यह रानी कमलापति में दोपहर 1:40 बजे से 1:45 बजे तक और बीना में शाम 3:55 बजे से 4:00 बजे तक रुकेगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 5:55 बजे टनकपुर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 17632 टनकपुर-नान्देड साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को सुबह 9:00 बजे टनकपुर से चलेगी। यह बीना में रात 12:50 बजे से 12:53 बजे तक, रानी कमलापति में रात 2:40 बजे से 2:50 बजे तक और इटारसी में सुबह 4:10 बजे से 4:20 बजे तक ठहराव लेगी। उसी दिन शाम 4:30 बजे यह ट्रेन नान्देड पहुंचेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की वास्तविक स्थिति की जानकारी NTES या रेलवे हेल्पलाइन 139 के माध्यम से अवश्य प्राप्त कर लें।

रायसेन में साइबर जागरूकता पर मैराथन,सेफ क्लिक 2.0' अभियान का समापन, 2 किलोमीटर दौड़कर लोगों को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस का 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जागरूकता अभियान बुधवार का समापन हो गया। 24 जून से चल रहे इस अभियान के तहत रायसेन जिले में भी लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने किया था, जबकि समापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक नायक की उपस्थिति में हुआ। अभियान के समापन अवसर पर जिला पुलिस लाइन से एक साइबर जागरूकता मैराथन दौड़ आयोजित की गई। मैराथन से पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक नायक ने पुलिसकर्मियों और ताइक्वांडो खिलाड़ियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया। इस दौरान एसडीओपी प्रतिभा शर्मा और आरआई कविता डामोर भी मौजूद थीं। एएसपी दीपक नायक ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं भी दौड़ में शामिल हुए। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और ताइक्वांडो खिलाड़ी साइबर जागरूकता संबंधी संदेश लिखे पोस्टर लेकर मैराथन में दौड़े। दौड़ का समापन सागर रोड पर हुआ। अभियान के दौरान लोगों को साइबर ठगी से बचने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। पुलिस ने अपील की कि वे अपनी बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड और अन्य गोपनीय दस्तावेज किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। साथ ही, किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिलेभर में आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को डिजिटल दुनिया में सतर्क और सुरक्षित बनाना था, जिसे जिलेभर में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

सीहोर में भोपाल के तीन चोर गिरफ्तार,सूने घरों को बनाते थे निशाना, 1.30 लाख रुपए के जेवर और मोबाइल बरामद

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में भोपाल जिले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन सहित करीब 1.30 लाख रुपए का सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 7 मार्च 2026 को सीहोर निवासी सुरेखा ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अज्ञात चोर उनके सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। नगर पुलिस अधीक्षक अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रविन्द्र यादव के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इन तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुन्ना उर्फ रोहित शिल्पकार निवासी वार्ड नंबर 13, सिलावट मोहल्ला, बैरसिया, भारत उर्फ भरत काला निवासी पलासी करोंद, जिला भोपाल और करन शाक्य निवासी वार्ड नंबर 17, शांतिकुंज, बैरसिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

1.30 लाख रुपए का सामान बरामद: पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। इसमें करीब 5 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र पेंडेंट और 8 सोने के पारे, जिनकी कीमत करीब 75 हजार रुपए है।

सीहोर में झुके बिजली के खंभे,झूलते 11 केवी तार बने जानलेवा, किसानों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की कथित लापरवाही को लेकर किसानों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। बिलकिसगंज-चंदेरी मुख्य मार्ग सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में 11 केवी हाईटेंशन लाइन के खंभे खतरनाक तरीके से झुक गए हैं और बिजली के तार जमीन के बेहद करीब झूल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

11 केवी लाइन बनी खतरा, पहले भी हो चुके हैं हादसे: ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग की अनदेखी के कारण क्षेत्र में पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पिछले वर्ष करंट लगने से एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं, इस वर्ष किसान सतीश मेवाड़ा भी करंट की चपेट में आ गए। उनका इलाज वर्तमान में भोपाल के एक अस्पताल में चल रहा है। इन घटनाओं के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है।

किसानों ने खोला मोर्चा, दो बार सौंपा ज्ञापन: किसान एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में दर्जनों गांवों के किसानों और ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर आंदोलन शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर दो बार कलेक्टर को ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत मंडल के अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय और प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर के निर्देशों का भी पालन नहीं कर रहे हैं।

तत्काल सुधार की मांग, नहीं तो होगा उग्र आंदोलन: ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि बिलकिसगंज-चंदेरी मार्ग सहित पूरे सीहोर जिले में झुके बिजली के खंभों और झूलते तारों को तत्काल बदला जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसान उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और बिजली विभाग की होगी।

बिजली विभाग का पक्ष: इस मामले में बिजली विभाग का कहना है कि बिजली लाइनों और खंभों के रखरखाव का कार्य समय-समय पर किया जाता है। विभाग का दावा है कि आवश्यकतानुसार मरम्मत और सुधार की प्रक्रिया जारी रहती है।

सीहोर में झूलते बिजली के तार और झुके खंभे ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बने हुए हैं। किसानों की चेतावनी के बाद अब सभी की नजर प्रशासन और बिजली विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी है।

चाय पीने गए दोस्तों की कार पिकअप से टकराई, मंदसौर में युवक के चेहरे पर 20 टांके आए, आंख और मुंह में लगी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के सर्किट हाउस के पास मंगलवार रात करीब 10 बजे एक सड़क हादसे में कार सवार दो दोस्त घायल हो गए। उनकी कार आगे चल रही पिकअप से टकरा गई। सूचना मिलने पर डायल-112 ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय हुंडई आई-20 कार में उज्जैन निवासी संजय साहू (25) और मंदसौर के अभिनंदन नगर निवासी ओम सोनी (22) सवार थे। दोनों दोस्त नयाखेड़ा से चाय पीकर मंदसौर लौट रहे थे। सर्किट हाउस के पास अचानक पिकअप के ब्रेक लगाने से कार अनियंत्रित होकर पीछे से उसमें जा घुसी। इस टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ओम सोनी को चेहरे और हाथ में चोटें आई हैं, जबकि संजय साहू के चेहरे, सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें लगी हैं। चिकित्सकों ने बताया कि संजय के चेहरे पर करीब 20 टांके लगाए गए हैं।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की थी पति की हत्या

छतरपुर पुलिस ने किया खुलासा, वारदात में इस्तेमाल बाइक और मोबाइल बरामद

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने किशनगढ़ थाना क्षेत्र में मिले एक युवक के शव की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि पत्नी ने अपने साथी और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर पति की योजनाबद्ध तरीके से हत्या करवाई थी।

मामले की शुरुआत 1 जुलाई को हुई, जब पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा निवासी संजय मिश्रा की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। तलाश के दौरान अमानगंज रोड पर निर्माणाधीन पुल के पास जंगल में एक शव मिला। बाद में उसकी पहचान संजय मिश्रा के रूप में हुई। घटनास्थल से उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद की गई थी।

पत्नी ने रची थी साजिश: परिजनों की शिकायत, घटनास्थल से मिले भौतिक साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर किशनगढ़ थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक की पत्नी ने अपने साथी और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक की पत्नी अनीता मिश्रा, ग्राम नगदा निवासी विनोद यादव और सतीश यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकल, मोबाइल फोन और अन्य संबंधित सामग्री भी बरामद की गई है।

खरगोन में तेज बारिश, स्कूल परिसर में भरा पानी,जिले में औसत 9.4 इंच दर्ज, अगले 3 दिन और बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में बुधवार सुबह से मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह करीब 9:30 बजे शुरू हुई तेज और रुक-रुककर होने वाली बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। जिले में अब तक औसतन 240 मिमी (करीब 9.4 इंच) बारिश दर्ज की जा चुकी है। लगातार हो रही बारिश का असर स्कूलों, यातायात और किसानों की खेती पर साफ दिखाई दे रहा है।

स्कूल परिसर में भरा पानी: तेज बारिश के कारण कुकडोल स्थित एक स्कूल परिसर में जलभराव की स्थिति बन गई। स्कूल पहुंचने वाली छात्राओं को पानी से होकर गुजरना पड़ा, जिससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई अभिभावक भी बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाने के लिए साथ आए। बारिश के चलते सुबह के समय आवागमन भी प्रभावित रहा।

लगातार बारिश से खेतों में रुका कृषि कार्य: पिछले दो-तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण जिले में कृषि कार्य भी प्रभावित हो गया है। किसान अरविंद जायसवाल ने बताया कि गर्मी की कपास की फसल में तेजी से खरपतवार बढ़ रही है। लगातार गीली मिट्टी के कारण खेतों में कोलपे जैसे कृषि औजारों का उपयोग नहीं हो पा रहा है, जिससे फसल की देखरेख में परेशानी आ रही है।

तीन दिन और होगी तेज बारिश: मौसम विभाग ने खरगोन जिले के लिए अगले तीन दिनों तक तेज बारिश की संभावना जताई है।

बुरहानपुर में बारिश बनी आफत,कई वार्ड जलमग्न, पिछले साल से दोगुनी से ज्यादा बारिश दर्ज

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरसात से पहले नालों की सफाई और जलभराव रोकने के दावों के बावजूद शहर के कई वार्डों में सड़कें पानी में डूब गई हैं। लगातार बारिश से आमजन, वाहन चालकों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोहार मंडी से बुधवारा तक जलभराव: बारिश के बाद लोहार मंडी, हरीरपुरा, मोमिनपुरा, सिंधीपुरा और बुधवारा समेत कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। नालियों की गंदगी बारिश के पानी के साथ सड़कों पर फैलने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। वहीं, शहर की कई सड़कें पहले से ही खराब हैं। ऐसे में गड्ढों में पानी भर जाने से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

जिले में पिछले साल के मुकाबले दोगुनी से ज्यादा बारिश: जिले में 1 जून से अब तक औसतन 287.7 मिमी (करीब 11.3 इंच) बारिश दर्ज की गई है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में दर्ज 131.8 मिमी बारिश की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 823.6 मिमी मानी जाती है, जिससे स्पष्ट है कि मानसून की शुरुआत में ही अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

नेपानगर में सबसे ज्यादा बारिश, खकनार में कम वर्षा: कलेक्टर भू-संसाधन प्रबंधन के अनुसार, बुरहानपुर तहसील में अब तक 318.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 129.4 मिमी वर्षा हुई थी। नेपानगर में सबसे अधिक 419.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जो पिछले साल की 132.0 मिमी वर्षा से काफी ज्यादा है।

वहीं धूलकोट में 301.9 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि पिछले वर्ष यहां 116.8 मिमी बारिश हुई थी। दूसरी ओर खकनार में अब तक 111.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले साल की समान अवधि में हुई 149.0 मिमी बारिश से कम है।

जल निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल: लगातार हो रही बारिश के बीच शहर में जलभराव की स्थिति ने नगर निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर नालों की प्रभावी सफाई और सड़कों की मरम्मत होती तो जलभराव और यातायात संबंधी समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता था। बुरहानपुर में इस बार मानसून की शुरुआत अच्छी बारिश के साथ हुई है, लेकिन जल निकासी व्यवस्था की कमजोर तैयारियों के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यदि आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो प्रशासन के सामने जलभराव और यातायात प्रबंधन की चुनौती और बड़ी हो सकती है।

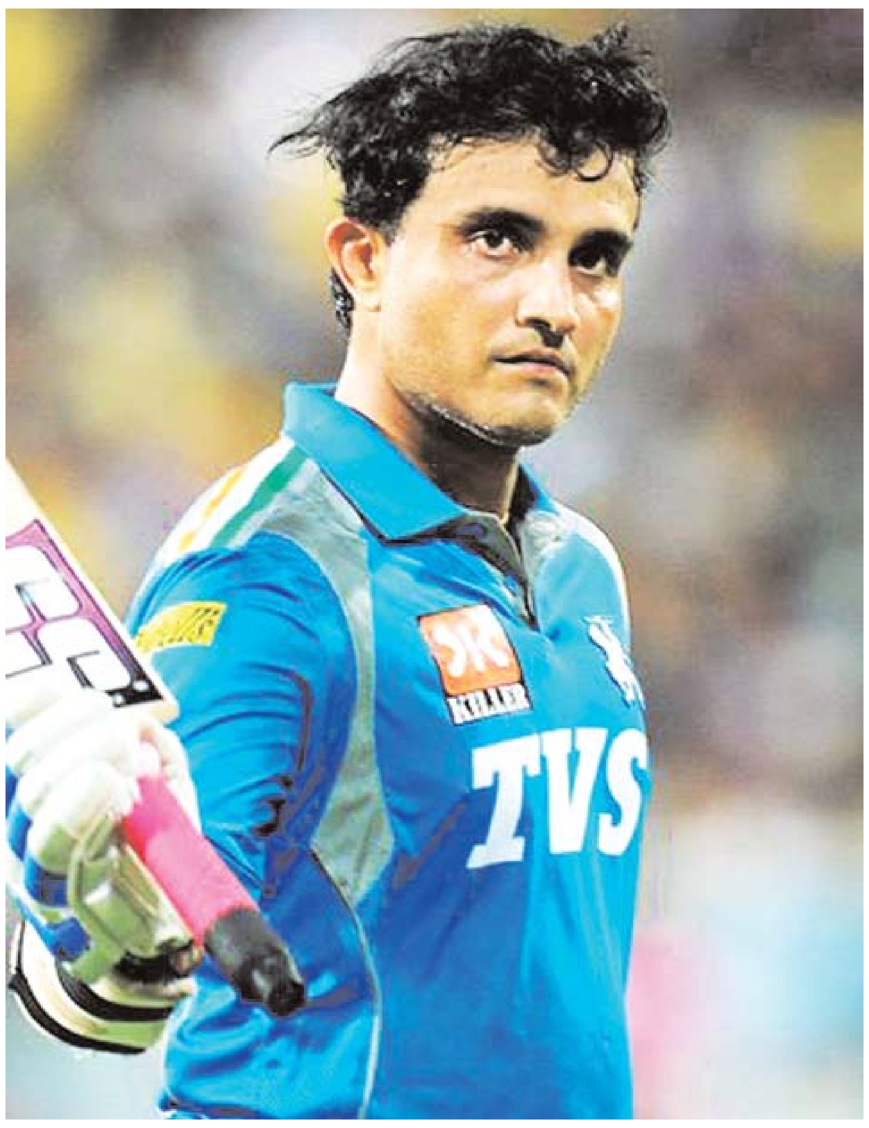

सौरव गांगुली: वो कप्तान, जिन्होंने टीम इंडिया को सिखाई 'दादागिरी'

नई दिल्ली,एजेंसी। सौरव गांगुली देश के सबसे सफल क्रिकेट कप्तानों में शुमार है। 'दादा' के नाम से मशहूर गांगुली ने भारतीय टीम में आक्रामक सोच और युवा खिलाड़ियों को अवसर देने की परंपरा को मजबूत किया। बाएं हाथ के शानदार बल्लेबाज गांगुली ने भारत को विदेशों में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई। संन्यास के बाद दादा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का अध्यक्ष पद भी संभाला। 8 जुलाई 1971 को कोलकाता के समृद्ध परिवार में जन्मे सौरव के पिता चंडीदास गांगुली एक शानदार क्लब क्रिकेटर थे, उनके भाई भी इस खेल के शौकीन थे। ऐसे में घर पर हमेशा क्रिकेट की बातें होती रहतीं। परिवार के अधिकतर सदस्य बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते थे। ऐसे में सौरव को भी उल्टे हाथ से बल्लेबाजी करने की आदत पड़ गई। उनके बड़े भाई स्नेहाशीष बंगाल की तरफ से क्रिकेट खेलते थे, लेकिन सौरव ने क्रिकेट के बजाय फुटबॉल को तरजीह दी।

13 साल की उम्र में सौरव गांगुली को समर क्रिकेट कैंप में भेजा गया, जहां इस खेल को लेकर उनकी रुचि जगी। बंगाल और ओडिशा के बीच एक फ्रेंडली अंडर-15 मैच में बंगाल की टीम में एक खिलाड़ी की कमी थी। सौरव को मौका दिया गया और उन्होंने सेंचुरी लगा दी। ये शतक उनके करियर में टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। परिवार ने घर के पास 2 कंक्रीट की पिचें बनवाई, जिसमें सौरव के साथ स्नेहाशीष प्रैक्टिस करते थे। दोनों के लिए एक कोच भी रखा गया। साथ ही घर में जिम की व्यवस्था भी की गई।

सौरव गांगुली ने साल 1989 में रणजी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद आखिरकार गांगुली को साल 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैच में डेब्यू का मौका मिल गया, जिसमें उनके बल्ले से सिर्फ 3 रन निकले। इसके बाद गांगुली को टीम से ड्रॉप कर दिया गया।

करीब चार साल बाद साल 1996 में उन्हें टेस्ट में भी पदार्पण का मौका मिला, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ पहली ही पारी में 20 चौकों के साथ 131 रन बनाकर अपनी काबिलियत साबित कर दी। अपने दूसरे टेस्ट में गांगुली ने 136 और 48 रन की पारी खेली। इसके बाद 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' ने धीरे-धीरे भारतीय टीम में अपना स्थान मजबूत कर लिया। सौरव 'ऑफ-साइड' में इतना शानदार स्ट्रोक लगाते थे कि उन्हें 'गॉड ऑफ ऑफ-साइड' कहा जाने लगा।

गांगुली एक भरोसेमंद जोड़ीदार भी थे। 26 मई 1999 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप मैच में गांगुली ने राहुल द्रविड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 318 रन की साझेदारी की। तेंदुलकर के साथ उन्होंने 176 पारियों में 47.55 की औसत से कुल 8,227 रन बनाए। 26 मई 1999 को श्रीलंका के खिलाफ 158 गेंदों में 7 छक्कों और 17 चौकों के साथ 183 रन की पारी खेली।

मैच फिक्सिंग विवाद के चलते भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। इस बीच सचिन तेंदुलकर ने भी कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में गांगुली को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके नेतृत्व ने टीम में नया जोश जगा दिया। गांगुली की कप्तानी में भारत ने आक्रामक रवैये के साथ खेलना सीखा। ये वो दौर था, जब भारतीय खिलाड़ी विपक्षी टीम के खिलाड़ियों की आंखों में आंखें डालकर उन्हें जवाब दे रहे थे।

गांगुली की कप्तानी में भारत 'आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2002' का संयुक्त विजेता रहा, जबकि 'वनडे वर्ल्ड कप 2003' के फाइनल में जगह बनाई। दादा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जाकर इन दिग्गज टीमों को अपना दमखम दिखाया। सौरव गांगुली ने युवराज सिंह, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, जहीर खान और महेंद्र सिंह धोनी जैसे युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया। भारतीय क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए गांगुली को साल 1997 में 'अर्जुन अवॉर्ड', जबकि साल 2004 में 'पद्म श्री' से नवाजा गया।

अर्जेंटीना के खिलाफ मैच में रेफरी के फैसलों से निराश मिस्र ने फीफा से की शिकायत

काहिरा,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार को राउंड ऑफ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में 2 गोल से बढ़त बनाने के बावजूद मिस्र को अर्जेंटीना के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद मिस्र के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर द्वारा लिए गए कुछ फैसलों पर निराशा जताई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र फुटबॉल फेडरेशन ने मंगलवार को अटलांटा में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 3-2 से मिली नाटकीय हार के बाद रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर के फैसलों के खिलाफ आधिकारिक विरोध जताते हुए फीफा गवर्निंग बॉडी से संपर्क किया है। मिस्र के खिलाड़ियों के गुस्से और निराशा का कारण उनके खिलाफ गए कुछ फैसले हैं, जिनमें वीएआर समीक्षा के बाद एक गोल को नामंजूर करना और अर्जेंटीना के विजयी गोल की तैयारी में एक पेनल्टी अपील का समीक्षा नहीं किया जाना शामिल है। स्पैनिश पब्लिकेशन डियारियो एएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष, हनी अबो रिडा ने फ्रेंच रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर और उनकी रेफरी टीम के खिलाफ फीफा में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शिकायत में उन विवादों में घिरे फैसलों की जांच की मांग की गई है, जिन्हें मिस्र ने फैरो के खिलाफ बताया है। फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर यह भी अनुरोध किया है कि फ्रेंच रेफरी टीम को बाकी टूर्नामेंट से हटा दिया जाए, क्योंकि वह इसे बहुत बड़ी गलती मानता है।इससे पहले, मिस्र के कोच हसन ने भी कई फैसलों पर निराशा जताई थी। उन्होंने यह भी कहा कि नतीजे पर पिच पर जो हुआ उससे कहीं ज्यादा वजहों का असर पड़ा, यहां तक ??कि उन्होंने यह भी इशारा किया कि मेसी और अर्जेंटीना टूर्नामेंट में बने रहना चाहते थे।हसन ने कहा, 'हम मौजूदा चैंपियन से बेहतर दिखे–हर चीज में बेहतर–लेकिन नतीजे पर पिच के अंदर की वजहों और पिच के बाहर की बाहरी वजहों का असर पड़ा। 'उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'शायद वे वर्ल्ड चैंपियन को टूर्नामेंट में बनाए रखना चाहते थे। शायद वे चाहते थे कि मेसी दौड़ में बने रहें। फुटबॉल में, कभी-कभी बाहरी वजहें होती हैं जो तकनीकी बातों से आगे निकल जाती हैं।

ईशान किशन शीर्ष पर बरकरार

जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई ,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं।

टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर हैं।

टीम इंडिया सिर्फ 76 रन पर

इंग्लैंड की 125 रन से जीत, सीरीज में 2-0 से लीड

नॉटिंघम,एजेंसी। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 125 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को ट्रेंट ब्रिज में खेले गए इस मैच को गंवाने के साथ भारत पांच मुकाबलों की सीरीज में 0-2 से पिछड़ गया है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम ने 7 विकेट खोकर 201 रन बनाए। फिलिप साल्ट ने जोस बटलर के साथ पहले विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी की। बटलर 36 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद साल्ट ने मोर्चा संभाला। साल्ट ने कप्तान हैरी ब्रूक (16) के साथ 28 रन, जबकि जैकब बेथेल (13) के साथ 40 रन की साझेदारी की। इसके अलावा, सैम करन के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन जुटाए। साल्ट 44 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 70 रन बनाकर आउट हुए, जबकि करन ने 24 गेंदों में 4 चौकों के साथ 41 रन की नाबाद पारी खेली। मेहमान टीम की तरफ से हर्षित राणा और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए। अक्षर पटेल ने 1 विकेट निकाला। विशाल लक्ष्य का दबाव टीम इंडिया पर नजर आया। भारतीय खेमा सिर्फ 11.4 ओवरों में 76 रन पर ऑलआउट हो गया। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने 1.5 ओवरों में 23 रन की साझेदारी की।अभिषेक 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कुछ देर बाद टीम ने सूर्यवंशी का विकेट भी गंवा दिया, जो 2 छक्कों के साथ 13 रन बनाकर आउट हुए। यहां से विकेटों का पतझड़ लग गया। मेहमान टीम की तरफ से सलामी बल्लेबाजों के अलावा, ईशान किशन (13) और अक्षर पटेल (10) ही दहाई का आंकड़ा छू सके। विपक्षी खेमे से जोश टंग ने 28 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, जोफ्रा आर्चर को 3 विकेट हाथ लगे। आदिल रशीद ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट विल जैक्स ने चटकाया।

रोनाल्डो का विश्वकप जीतने का सपना अधूरा रह गया

स्पेन ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में 1-0 से हराया

डलास,एजेंसी। स्पेन के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में 1-0 से मिली हार के साथ ही पुर्तगाल की टीम फीफा विश्वकप फुटबॉल से बाहर हो गयी। इसी के साथ ही पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी और कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्वकप जीतने का सपना हमेशा के लिए टूट गया। इसका कारण है कि रोनाल्डो की उम्र 41 के करीब है और उन्होंने कहा था कि अगले विश्वकप में उनके खेलने की कोई संभावनाएं नहीं है। स्पेन के खिलाफ हार के बाद रोनाल्डो ने भी पुष्टि की है कि यह उनके करियर का अंतिम विश्व कप था हालांकि उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का अभी उनका कोई इरादा नहीं है। स्पेन के खिलाफ मुकाबले में तय समय तक दोनो ही टीमें बराबरी पर थीं। वहीं दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने एक गोल कर पुर्तगाल को बाहर कर दिया। हार के बाद रोनाल्डो हताश दिखे। उन्होंने माना है कि इस तरह हार के साथ ही अपने अंतिम विश्व कप से विदाई लेना उनके लिए बेहद दुखद है। रोनाल्डो ने कहा, इस तरह विश्व कप से बाहर होने से निराशहै। मैंने अपना सब कुछ दिया, अपनी तरफ से पूरी कोशिश की पर असफल रहा। यह मेरा अंतिम विश्व कप था अब मेरे पास सोचने और अपने परिवार के साथ समय बिताने का समय होगा। मैं जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करूंगा। स्पेन से मिली हार के बाद भविष्य को लेकर उठते सवालों के बीच ही रोनाल्डो ने कहा कि अभी वह निराशा और भावनाओं में बहकर कोई फैसला नहीं करेंगे। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि भले ही उनका विश्व कप करियर समाप्त हो गया हो, लेकिन वह पुर्तगाल के लिए कुछ समय और खेलते हुए दिख सकते हैं। रोनाल्डो ने ये भी कहा कि पुर्तगाल ने स्पेन के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला पर भाग्य ने स्पेनिश टीम का साथ दिया।

4 मुकाबलों के बाद आप बुरी टीम नहीं बन जाते

तीसरे टी20 में करारी हार के बाद बोले कोच गंभीर

नॉटिंघम ,एजेंसी। भारतीय टीम को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 125 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर भारत का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम महज 76 रन बनाकर सिमट गई। हालांकि, हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम का बचाव किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप चार मैच के बाद बुरी टीम नहीं बन जाते। कभी-कभार आपकी विरोधी टीम अच्छा खेलती है, कभी आप परिस्थितियों को ठीक तरह से भांप नहीं पाते हैं। गेम को समझना भी काफी जरूरी है, जो हम आयरलैंड सीरीज से नहीं कर सके हैं। ' हेड कोच ने आगे कहा, ' 'मुझे नहीं पता कि इंग्लैंड क्या करने की कोशिश करेगा, लेकिन हमको खुद को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा।

एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग: तीसरे दिन मीतेई, आदित्य और सिकंदर का शानदार प्रदर्शन

जकार्ता,एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में जारी एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। तीसरे दिन अंडर-19 कैटेगरी में अंबेडकर मीतेई (50 किग्रा) ने पुरुषों के वर्ग में दमदार जीत हासिल की। मीतेई ने चीनी ताइपे के ची-यू शियाओ के खिलाफ पहले ही राउंड में रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट (आरएससी) के जरिए शानदार जीत दर्ज की। लड़कों के वर्ग में, आदित्य (55 किग्रा) ने किर्गिस्तान के डेनियल ताशतानबेकोव के खिलाफ 5:0 से आसान जीत हासिल की, जबकि सिकंदर (60 किग्रा) ने कोरिया के ताइमिन यांग के विरुद्ध मुकाबला 5:0 से जीता। भारत की जीत का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए, देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और चीनी ताइपे के सुंग-लिन त्साई को दूसरे राउंड में आरएससी के जरिए हराया। प्रशांत (70 किग्रा) ने कजाकिस्तान के बिबारिस अशिरवे के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया। पहला राउंड 1:4 से हारने के बाद, उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरा राउंड 3:2 से अपने नाम किया, लेकिन आखिरी राउंड में वे 3:2 के मामूली अंतर से हार गए। अंडर-19 कैटेगरी में भारत का लगातार शानदार प्रदर्शन देश के यूथ बॉक्सिंग प्रोग्राम की गहराई और गुणवत्ता को दिखाता है, जिसमें कई बॉक्सर शुरुआती राउंड में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जकार्ता में 5 से 16 जुलाई तक जारी एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप भारत के युवा टैलेंट के लिए एक अहम मंच बनी हुई है, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलता है। ये मुक्केबाज भविष्य के बड़े मुकाबलों के लिए तैयार हो रहे हैं।

सतना में ASI पर मारपीट का आरोप, दो युवकों के हाथ में फ्रैक्चर का दावा जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के बरौंधा थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी पर मारपीट का गंभीर आरोप लगाया गया है जमुना डाड निवासी दो युवकों ने बरौंधा थाने में पदस्थ एएसआई राकेश केवट पर डंडे से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है पीड़ितों का दावा है कि मारपीट के दौरान उनके बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया मामले की शिकायत लेकर दोनों युवक बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां से उन्हें जांच के लिए चित्रकूट एसडीओपी कार्यालय भेजा गया पीड़ित ज्ञान मिश्रा और उनके पड़ोसी अनूप वर्मा के अनुसार घटना 5 जुलाई की शाम की है दोनों युवक बरौंधा सब्जी मंडी से सब्जी खरीदकर अपने गांव जमुना डाड लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एएसआई राकेश केवट ने उन्हें रोक लिया।

आरोप है कि किसी बात को लेकर विवाद के बाद एएसआई ने डंडे से दोनों के साथ मारपीट की। पीड़ितों का कहना है कि इस हमले में उनके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई। बाद में निजी अस्पताल में जांच कराने पर एक्स-रे में हाथ में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई। दोनों युवकों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, लेकिन उनकी शिकायत पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एफआईआर और एमएलसी नहीं कराने का आरोप: पीड़ितों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद वे बरौंधा थाना और चित्रकूट एसडीओपी कार्यालय के कई बार चक्कर लगाते रहे, लेकिन उनकी शिकायत पर न तो एफआईआर दर्ज की गई और न ही मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) कराया गया उन्होंने पुलिस पर इलाज की व्यवस्था नहीं कराने का भी आरोप लगाया दोनों युवकों का कहना है कि न्याय की उम्मीद में वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे हैं ताकि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा सके और दोषी के खिलाफ कार्रवाई हो। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

ASP ने जांच कराने की बात कही: मामले को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे ने कहा कि शिकायत सामने आई है और इसकी जांच चित्रकूट एसडीओपी से कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी पुलिस विभाग की ओर से अभी तक आरोपों की पुष्टि नहीं की गई है। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल: इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के साथ मारपीट होती है तो उसकी शिकायत दर्ज कर मेडिकल जांच कराना पुलिस की जिम्मेदारी है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है अब सभी की निगाहें एसडीओपी स्तर पर होने वाली जांच पर टिकी हैं। जांच रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

शराब तस्करी में पति-पत्नी गिरफ्तार, घर से 72.89 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के कोलगवां थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने उनके घर से 72.89 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है जिसकी अनुमानित कीमत 67,160 रुपये बताई गई है दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि उतैली वार्ड क्रमांक-12 निवासी सरोज जायसवाल अपने घर में बिक्री के उद्देश्य से बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और मौके पर पहुंचकर घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान अलग-अलग झोलों में रखी कुल 72.89 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई शराब रखने संबंधी कोई वैध दस्तावेज आरोपी महिला प्रस्तुत नहीं कर सकी पूछताछ में सरोज जायसवाल ने स्वीकार किया कि वह अपने पति संतोष जायसवाल उर्फ पंजू के साथ मिलकर शराब लाकर ग्राहकों को बेचती थी इसके बाद पुलिस ने फरार चल रहे संतोष जायसवाल को भी गिरफ्तार कर लिया दोनों के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई पुलिस ने बताया कि संतोष जायसवाल पहले से ही आबकारी अधिनियम के एक अन्य मामले में फरार था 6 जून 2026 को उसके घर से 63 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की गई थी जिसके बाद से वह लगातार पुलिस की गिरफ्त से बाहर था ताजा कार्रवाई में उसे उस प्रकरण में भी गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इस तरह के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवंटित जमीन पर स्टे से बढ़ी मुश्किलें, बारिश में बेघर होने की कगार पर आदिवासी परिवार

घटवेलवा में आवासीय भूमि विवाद गहराया, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई राहत और न्याय की गुहार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बाघेलान विकासखंड के ग्राम घटवेलवा में आवंटित आवासीय भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग एक सैकड़ा निर्धन आदिवासी परिवारों को वर्षों पहले शासन द्वारा आवास के लिए भूमि आवंटित की गई थी, लेकिन अब उसी जमीन पर कानूनी विवाद और स्थगन (स्टे) के कारण वे अपने क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत तक नहीं करा पा रहे हैं। बरसात के बीच यह स्थिति उनके लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को दिए शिकायत पत्र में बताया कि वर्ष 1984-85 में खसरा नंबर 424/1/2/1 की करीब 78 वर्गमीटर भूमि आवास निर्माण के लिए आवंटित की गई थी। तब से परिवार उसी भूमि पर मकान बनाकर रह रहे हैं। उनका आरोप है कि अब इस भूमि को शासकीय बताकर मकानों को हटाने और मरम्मत पर रोक लगाने की कार्रवाई की जा रही है ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बद्री सिंह द्वारा न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त किए जाने के बाद स्थिति और जटिल हो गई है। उनका कहना है कि स्टे के कारण बरसात में क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत नहीं हो पा रही है जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है ग्रामीणों का कहना है कि दशकों से निवासरत परिवारों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाने का प्रयास उचित नहीं है। उनका मानना है कि लंबे समय से बसे लोगों के आवासीय अधिकारों और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए यह मामला एक बार फिर विकास परियोजनाओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को सामने लेकर आया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विवाद का निष्पक्ष समाधान करते हुए उन्हें राहत प्रदान की जाए तथा बरसात के दौरान मकानों की मरम्मत की अनुमति दी जाए।

900 मीटर सड़क के लिए कीचड़ में बैठे ग्रामीण, निर्माण शुरू होने तक आंदोलन जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद जनपद के छुलहा गांव में 900 मीटर पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया बारिश के बाद कीचड़ और पानी से भरे मार्ग पर महिलाएं, बच्चे और युवा धरने पर बैठ गए तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर सांसद, विधायक राज्य मंत्री और स्थानीय प्रशासन से कई बार गुहार लगाई गई लेकिन वर्षों बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका खराब सड़क के कारण बरसात में गांव का आवागमन प्रभावित हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों किसानों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व जीतू पटेल और यूथ कांग्रेस नेता वरुण गूजर ने किया प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने शीघ्र सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग उठाई और चेतावनी दी कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की अधिकारियों ने अस्थायी व्यवस्था कराने के साथ स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया हालांकि ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि जब तक सड़क निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं होता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

घटिया सड़क निर्माण पर PIU की बड़ी कार्रवाई, कई ठेकेदारों के टेंडर निरस्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में सड़क निर्माण कार्यों की खराब गुणवत्ता और समय पर काम पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ PIU (प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट) ने बड़ी कार्रवाई की है विभाग के महाप्रबंधक द्वारा जारी आदेश के तहत कई ठेकेदारों के टेंडर निरस्त कर दिए गए हैं इस कार्रवाई के बाद प्रभावित ठेकेदारों ने विरोध शुरू कर दिया है जबकि आम नागरिकों ने विभाग के इस फैसले का स्वागत किया है जानकारी के अनुसार जिले में निर्मित कई सड़कें निर्माण के कुछ ही समय बाद उखड़ने लगी थीं इससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे थे विभाग को मिली शिकायतों और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई PIU का कहना है कि जिन एजेंसियों ने निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं किया या निर्माण की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई उनके विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के अनुसार कार्रवाई की गई है विभाग ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा कार्रवाई के बाद कुछ ठेकेदारों ने विरोध दर्ज कराया है लेकिन स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण जनता का अधिकार है उनका मानना है कि समय पर और मानक के अनुरूप कार्य नहीं करने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कदम उठाना आवश्यक है लोगों का कहना है कि विभाग की इस सख्ती से भविष्य में निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी साथ ही ईमानदारी और गुणवत्ता के साथ काम करने वाले ठेकेदारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी जबकि लापरवाही बरतने वालों पर इसी तरह की कार्रवाई जारी रहनी चाहिए ताकि जिले को टिकाऊ और सुरक्षित सड़कें मिल सकें।

अवैध शराब पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पति-पत्नी गिरफ्तार, 73 लीटर शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोलगवां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उतैली निवासी संतोष उर्फ पंजू जायसवाल और उनकी पत्नी सरोज जायसवाल के घर पर छापा मारकर करीब 73 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 67,160 रुपये बताई गई है पुलिस के अनुसार दोनों के खिलाफ लंबे समय से अवैध शराब की तस्करी और बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं तलाशी के दौरान भारी मात्रा में शराब बरामद होने के बाद दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पुलिस को अवैध शराब के कारोबार से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य भी मिले हैं दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया पुलिस ने बताया कि करीब एक माह पहले भी संतोष

जायसवाल के घर से 63 लीटर अवैध शराब बरामद की गई थी लेकिन वह उस समय फरार हो गया था इस बार उसे पुराने मामले में भी गिरफ्तार कर लिया गया है पुलिस ने बताया कि मामले से जुड़े एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है और जिले में अवैध शराब के निर्माण, तस्करी व बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पीएमजीएसवाई कार्यालय पर ठेकेदारों का अनिश्चितकालीन धरना, महाप्रबंधक पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के आरोप

आठ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन तेज, गुरुवार को कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) क्रमांक-1 कार्यालय के बाहर जिले के संविदाकारों का अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी है ठेकेदारों ने विभाग के महाप्रबंधक पर कथित भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी मनमानी भुगतान में अनावश्यक देरी तथा आर्थिक और प्रशासनिक शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं संविदाकारों का कहना है कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है धरना दे रहे ठेकेदारों का आरोप है कि विभागीय कार्यप्रणाली पारदर्शी नहीं है और विकास कार्यों में अन्य विभागों की वजह से होने वाले नुकसान का जिम्मेदार भी सड़क निर्माण एजेंसियों को ठहराया जा रहा है उनका कहना है कि जल संवर्धन योजना के तहत तैयार ग्रामीण सड़कों के सोल्डर में पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की जा रही है जिससे नई सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं इसके बावजूद भुगतान में कटौती कर ठेकेदारों पर ही कार्रवाई की जा रही है संविदाकारों ने यह भी आरोप लगाया कि नहर निर्माण कार्यों के दौरान भारी वाहनों और मशीनों की आवाजाही से सड़कों की डामर परत उखड़ रही है लेकिन इसकी जवाबदेही भी सड़क निर्माण एजेंसियों पर डाली जा रही है आंदोलनकारियों का आरोप है कि महाप्रबंधक द्वारा कथित रूप से पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की जाती है तथा टेंडर प्रक्रिया में ऐसी शर्तें लागू की जाती हैं जिससे छोटे और मध्यम श्रेणी के ठेकेदारों को नुकसान उठाना पड़ता है ठेकेदारों ने आठ सूत्रीय मांगों में कथित कमीशनखोरी पर रोक, पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया, समयबद्ध भुगतान, बढ़ी लागत के अनुसार रेट रिवीजन अधिकारियों की मनमानी पर रोक, कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य विभागों से हुए नुकसान की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है संविदाकारों ने अपनी शिकायतों का ज्ञापन भोपाल स्थित मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी भेजा है उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो गुरुवार को पीएमजीएसवाई कार्यालय में तालाबंदी कर आंदोलन को और उग्र किया जाएगा वहीं समाचार लिखे जाने तक विभाग की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

कुएं में गिरी गाय का रेस्क्यू, गौ प्रेमियों ने कड़ी मशक्कत से बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के घोरबई गांव में मंगलवार शाम एक गाय कुएं में गिर गई घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय गौ प्रेमी और समाजसेवी मौके पर पहुंचे और कई घंटों की मेहनत के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार रात करीब 7:30 बजे की है अचानक एक गाय गांव के कुएं में जा गिरी ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना गौ सेवा से जुड़े लोगों को दी सूचना मिलते ही आशीष तिवारी, हर्ष तिवारी, रज्जन शुक्ला सहित अन्य समाजसेवी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे स्क्यू टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से रस्सियों के सहारे बचाव अभियान शुरू किया। काफी प्रयासों के बाद गाय को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया गाय के बाहर आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली ग्रामीणों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मदद मिलने से बेजुबान की जान बच सकी। उन्होंने कहा कि गौ सेवा और सामाजिक कार्यों में युवाओं व समाजसेवियों की सक्रिय भागीदारी समाज के लिए प्रेरणादायक है इस रेस्क्यू अभियान में शामिल लोगों ने मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पशु सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

हर गांव में पांच किसान न्याय योद्धा नियुक्त करेगी किसान कांग्रेस, किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की रणनीति तैयार की है किसान कांग्रेस प्रत्येक गांव और पंचायत में पांच-पांच किसान न्याय योद्धाओं की नियुक्ति करेगी यह निर्णय ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी कोठी की नवगठित कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया दीन सहायक संस्था परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह बंटू ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पाण्डेय उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए संतोष पाण्डेय ने कहा कि किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाने और संगठन को सक्रिय बनाने के लिए गांव-गांव तक विस्तार किया जाएगा बैठक में किसान न्याय योद्धा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया अभियान के तहत प्रत्येक पंचायत और गांव में पांच कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी, जो किसानों की समस्याओं को संगठन और प्रशासन तक पहुंचाएंगे तथा किसान हितों की रक्षा के लिए कार्य करेंगे। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से किसान कांग्रेस की गतिविधियों और किसानों से जुड़े मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई बैठक के बाद किसानों को खाद के ई-टोकन व्यवस्था से हो रही परेशानी और तीन फेस बिजली की 12 घंटे उपलब्धता सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोठी तहसील का घेराव किया और एसडीएम लक्ष्य राम जांगड़े को ज्ञापन सौंपा किसान कांग्रेस पदाधिकारी जब ज्ञापन देने तहसील कार्यालय पहुंचे तो तहसीलदार के मौजूद नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई और धरने पर बैठ गए करीब दो घंटे तक तहसील परिसर में धरना और नारेबाजी जारी रही शाम पांच बजे एसडीएम लक्ष्य राम जांगड़े के अनुरोध पर धरना समाप्त किया गया और उन्हें ज्ञापन सौंपा गया कार्यक्रम का संचालन किसान कांग्रेस महासचिव बृजेश गर्ग सोनू ने किया। तहसील घेराव में किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गुड्डू, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनय सिंह गुड्डा, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह बंटू, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नलिनेंद्र मिश्र, उमेश सिंह पप्पू, यादवेन्द्र सिंह पंजू, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव प्रभा जित्तू बागरी, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव शिवम सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे किसान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर संगठन लगातार संघर्ष करेगा और गांव स्तर तक पहुंचकर किसानों की आवाज को प्रभावी तरीके से उठाया जाएगा।

महाराजा अग्रसेन मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अग्रवाल नवयुवक मंडल परिवार द्वारा माता महालक्ष्मी, माता माधवी एवं महाराजा अग्रसेन मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई इस अवसर पर मंदिर परिसर में पूजन हवन एवं स्वल्पाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अग्रवाल समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन एवं हवन से हुआ श्रद्धालुओं ने मंदिर की उन्नति समाज की सुख-समृद्धि तथा सभी के मंगलमय जीवन की कामना की धार्मिक अनुष्ठान के दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा इस अवसर पर हाल ही में विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी में निर्वाचित अग्रवाल

समाज के पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया समाजजनों ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकता सेवा भावना और सामाजिक सहभागिता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई आयोजन में अग्रबंधुओं मातृशक्ति एवं युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा सौहार्द और उत्साह से सराबोर दिखाई दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।